



## Kushal

1

ଜନ୍ମତୀଥି: 17 June 2015 Wednesday  
ଜନ୍ମସମୟ: 13:40 PM  
ଜନ୍ମସ୍ଥାନ: Hyderabad (Andra Pradesh), India  
Latitude: 17.22N Longitude: 78.26E  
ଅୟନାଂଶ: ୪୩ ସି ଲାଢ଼ିରି 24:4:21  
ସ୍ଥାନୀୟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ସମୟ: 13:23:44  
ସାମୁଦ୍ରିକ କାଳ: 7:4:47  
ସ୍ଥାନୀୟ ସମୟ ସଂଶୋଧନ: -16:16  
ତୀର୍ଥୀକ: 23.4

### ଅବକହତା ଚକ୍ର

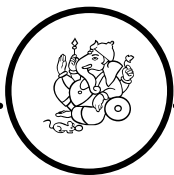
|                       |                |
|-----------------------|----------------|
| ଲଗ୍ନ                  | କନ୍ୟା          |
| ଲଗ୍ନପତି               | ବୁଧ            |
| ରାଶି                  | ମିଥୁନ          |
| ରାଶିସ୍ବାମୀ            | ବୁଧ            |
| ନକ୍ଷତ୍ର               | ଅରିଦ୍ରା        |
| ନକ୍ଷତ୍ରସ୍ବାମୀ         | ରାହୁ           |
| ପାଦ                   | 2              |
| ତୀର୍ଥ                 | ପ୍ରତିପାଦ ଶୁକ୍ଳ |
| ପାୟା                  | ତମ୍ବା          |
| ସୂର୍ଯ୍ୟ ସିଦ୍ଧାନ୍ତ ଯୋଗ | ଗଣ୍ଡ           |
| କରଣ                   | ବବ             |
| ବର୍ଷ                  | ବୈଶ୍ୟ          |
| ତତ୍                   | ପାଣ            |
| ବର୍ଷ                  | ମାନବ           |
| ଯୋନି                  | ସ୍ବାନ(ସ୍ବା)    |
| ଗଣ                    | ମନୁଷ୍ୟ         |
| ନାତି                  | ଆଦି            |
| ନାତି ପଦ               | ଅନ୍ତ           |
| ବିହଗ                  | ଭେରୁଣ୍ଡ        |
| ପ୍ରଥମ ଅକ୍ଷର           | କୃ, ଘ, ଙ       |
| ସୂର୍ଯ୍ୟରାଶି           | ମିଥୁନ          |
| ତେଜାନେଟ               | 3              |

### ଘାତ ଚକ୍ର

|         |          |
|---------|----------|
| ରାଶି    | କୁମ୍ଭ    |
| ମାସ     | ଆଷାଢ଼    |
| ତୀର୍ଥ   | 2, 7, 12 |
| ଦିବସ    | ସୋମବାର   |
| ନକ୍ଷତ୍ର | ସ୍ବାତି   |
| ପ୍ରହର   | 3        |
| ଲଗ୍ନ    | କର୍କଟ    |
| ଯୋଗ     | ପରିଧି    |
| କରଣ     | କୈଲବ     |

### ଶୁଭ ଅଶୁଭ ବିଚାର

|             |                         |
|-------------|-------------------------|
| ସୌଭାଗ୍ୟ ଅଂକ | 8                       |
| ଶୁଭାଙ୍ଗ     | 2, 4, 5, 8              |
| ଅଶୁଭ ଅଂକ    | 1, 7, 9                 |
| ଶୁଭ ବର୍ଷ    | 17,26,35,44,53          |
| ଶୁଭଦିନ      | ବୁଧବାର, ଶୁକ୍ରବାର        |
| ଶୁଭଗ୍ରହ     | ବୁଧ, ଶୁକ୍ର              |
| ଅଶୁଭଗ୍ରହ    | ମଙ୍ଗଳ, ଗୁରୁ             |
| ମିତ୍ରରାଶି   | ବୃଷ, ସିଂହ, ତୁଳା         |
| ଶୁଭଲଗ୍ନ     | ଧନୁ, ମୀନ, ବୃଷ, ମକର      |
| ଶୁଭ ଧାତୁ    | କଂସା                    |
| ଶୁଭ ଧାତୁ    | ପତ୍ତା                   |
| ଶୁଭ ସମୟ     | ସୂର୍ଯ୍ୟୋଦୟର ୨ ଘଣ୍ଟା ପରେ |
| ଶୁଭ ଦିଗ     | ଉତ୍ତର                   |

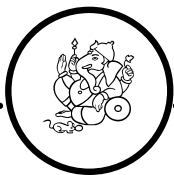


## ଜନ୍ମ ସମୟରେ ଗହର ଛାଡ଼ି

| ଗ୍ରହ   | ରାଶି  | ଅଂଶ      | ନକ୍ଷତ୍ର      | ନକ୍ଷତ୍ରାଧିପତି | ପାଦ | ଦିଗ    | ଅବସ୍ଥା |
|--------|-------|----------|--------------|---------------|-----|--------|--------|
| ଲଗ୍ନ   | ଜନୟା  | 21:25:53 | ହସ୍ତ         | ଚନ୍ଦ୍ର        | 4   |        | -      |
| ରବି    | ମିଥୁନ | 01:46:14 | ମୃଗଶିରା      | ମଙ୍ଗଳ         | 3   | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ବୁଧ    | ବୃଷ   | 11:35:32 | ରୋହିଣୀ       | ଚନ୍ଦ୍ର        | 1   | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ଶୁକ୍ର  | କର୍କଟ | 16:40:39 | ଆଶ୍ଳେଷା      | ବୁଧ           | 1   | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ମଙ୍ଗଳ  | ମିଥୁନ | 01:02:07 | ମୃଗଶିରା      | ମଙ୍ଗଳ         | 3   | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ଗୁରୁ   | କର୍କଟ | 25:04:24 | ଆଶ୍ଳେଷା      | ବୁଧ           | 3   | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ଶନି    | ବିଛା  | 05:46:47 | ଅନୁରାଧା      | ଶନି           | 1   | ବଜ୍ର   | -      |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ମିଥୁନ | 11:03:52 | ଅରିଦ୍ରା      | ରାହୁ          | 2   | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ରାହୁ   | ଜନୟା  | 12:25:45 | ହସ୍ତ         | ଚନ୍ଦ୍ର        | 1   | ବଜ୍ର   | -      |
| କେତୁ   | ମୀନ   | 12:25:45 | ଭରଣୀ ଭାଦ୍ରବଦ | ଶନି           | 3   | ବଜ୍ର   | -      |
| ଇନ୍ଦ୍ର | ମୀନ   | 25:49:18 | ରେବତି        | ବୁଧ           | 3   | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ବରୁଣ   | କୁମ୍ଭ | 15:44:18 | ଶତଭିଷା       | ରାହୁ          | 3   | ବଜ୍ର   | -      |
| ରୁଦ୍ର  | ଧନୁ   | 20:39:36 | ପୂର୍ବାଷାଢ଼   | ଶୁକ୍ର         | 3   | ବଜ୍ର   | -      |

## ଲଗ୍ନ କୁଣ୍ଡଳୀ

|                   |          |          |                       |
|-------------------|----------|----------|-----------------------|
| 12<br>କେତୁ ଇନ୍ଦ୍ର | 1        | 2<br>ବୁଧ | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ ଚନ୍ଦ୍ର |
| 11<br>ବରୁଣ        |          |          | 4<br>ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ       |
| 10                |          |          | 5                     |
| 9<br>ରୁଦ୍ର        | 8<br>ଶନି | 7        | 6<br>ଲଗ୍ନ ରାହୁ        |



ଲଗୁ

ଲଗୁ

ଧନସ୍ୟଦ

ଧନସ୍ୟଦ

|                   |          |          |                       |
|-------------------|----------|----------|-----------------------|
| 12<br>କେତୁ ଇନ୍ଦ୍ର | 1        | 2<br>ବୁଧ | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ ଚନ୍ଦ୍ର |
| 11<br>ବରୁଣ        |          |          | 4<br>ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ       |
| 10                |          |          | 5                     |
| 9<br>ରୁଦ୍ର        | 8<br>ଶନି | 7        | 6<br>ଲଗୁ ରାହୁ         |

|    |   |   |                                                   |
|----|---|---|---------------------------------------------------|
| 12 | 1 | 2 | 3                                                 |
| 11 |   |   | 4<br>ବୁଧ ଶନି ରାହୁ<br>କେତୁ ବରୁଣ ରୁଦ୍ର              |
| 10 |   |   | 5<br>ଲଗୁ ରବି ଶୁକ୍ର<br>ମଙ୍ଗଳ ଗୁରୁ ଚନ୍ଦ୍ର<br>ଇନ୍ଦ୍ର |
| 9  | 8 | 7 | 6                                                 |

ସହୋଦର

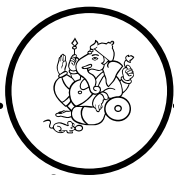
ସହୋଦର

ଭାଗ୍ୟ

ଭାଗ୍ୟ

|            |                       |             |                     |
|------------|-----------------------|-------------|---------------------|
| 12<br>ଗୁରୁ | 1                     | 2<br>ଲଗୁ    | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ ବରୁଣ |
| 11         |                       |             | 4<br>କେତୁ           |
| 10<br>ରାହୁ |                       |             | 5<br>ରୁଦ୍ର          |
| 9          | 8<br>ଶୁକ୍ର ଶନି ଇନ୍ଦ୍ର | 7<br>ଚନ୍ଦ୍ର | 6<br>ବୁଧ            |

|                  |           |   |                              |
|------------------|-----------|---|------------------------------|
| 12<br>ଲଗୁ        | 1<br>ଗୁରୁ | 2 | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ କେତୁ<br>ରୁଦ୍ର |
| 11               |           |   | 4                            |
| 10<br>ଶୁକ୍ର      |           |   | 5<br>ବୁଧ ବରୁଣ                |
| 9<br>ରାହୁ ଇନ୍ଦ୍ର | 8<br>ଶନି  | 7 | 6<br>ଚନ୍ଦ୍ର                  |



ସନ୍ତତି

ସନ୍ତତି

ଜୀବନସାଥୀ

ଜୀବନସାଥୀ

|              |                  |                |                           |
|--------------|------------------|----------------|---------------------------|
| 12<br>ଇନ୍ଦ୍ର | 1<br>ଶୁକ୍ର ରୁଦ୍ର | 2<br>ରାହୁ ବରୁଣ | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ ଶୁଭ<br>ଶନି |
| 11           |                  |                | 4                         |
| 10<br>ବୁଧ    |                  |                | 5<br>ଲଗ୍ନ ଚନ୍ଦ୍ର          |
| 9            | 8<br>କେତୁ        | 7              | 6                         |

|                       |               |                              |           |
|-----------------------|---------------|------------------------------|-----------|
| 12                    | 1<br>ବୁଧ ରାହୁ | 2                            | 3         |
| 11<br>ଶୁଭ ଇନ୍ଦ୍ର ବରୁଣ |               |                              | 4<br>ଲଗ୍ନ |
| 10<br>ଚନ୍ଦ୍ର          |               |                              | 5<br>ଶନି  |
| 9<br>ଶୁକ୍ର            | 8             | 7<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ କେତୁ<br>ରୁଦ୍ର | 6         |

ଜୀବିକା

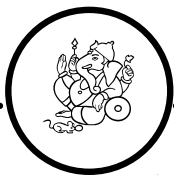
ଜୀବିକା

ମାତା ଓ ପିତା

ମାତା ଓ ପିତା

|            |          |   |                      |
|------------|----------|---|----------------------|
| 12<br>କେତୁ | 1<br>ବୁଧ | 2 | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ ରୁଦ୍ର |
| 11         |          |   | 4<br>ଇନ୍ଦ୍ର ବରୁଣ     |
| 10         |          |   | 5<br>ଶୁକ୍ର ଶନି       |
| 9<br>ଲଗ୍ନ  | 8<br>ଶୁଭ | 7 | 6<br>ଚନ୍ଦ୍ର ରାହୁ     |

|                             |   |               |                 |
|-----------------------------|---|---------------|-----------------|
| 12                          | 1 | 2<br>ଲଗ୍ନ ଶୁଭ | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ  |
| 11                          |   |               | 4<br>କେତୁ       |
| 10<br>ଶୁକ୍ର ଶନି ରାହୁ ଇନ୍ଦ୍ର |   |               | 5<br>ବରୁଣ ରୁଦ୍ର |
| 9                           | 8 | 7<br>ଚନ୍ଦ୍ର   | 6<br>ବୁଧ        |



ବାହାନ

ବାହାନ

ଧାର୍ମିକ ପ୍ରବୃତ୍ତି

ଧାର୍ମିକ ପ୍ରବୃତ୍ତି

|                      |                     |                  |                |
|----------------------|---------------------|------------------|----------------|
| 12                   | 1<br>ବରୁଣ           | 2<br>ଗୁରୁ ଚନ୍ଦ୍ର | 3<br>ରାହୁ କେତୁ |
| 11<br>ବୁଧ            |                     |                  | 4              |
| 10<br>ଜନ୍ମ           |                     |                  | 5              |
| 9<br>ରବି ଶୁକ୍ର ମଙ୍ଗଳ | 8<br>ଲଗ୍ନ ଶନି ରୁଦ୍ର | 7                | 6              |

|                        |                |                |                 |
|------------------------|----------------|----------------|-----------------|
| 12<br>ଶୁକ୍ର ଶନି ଚନ୍ଦ୍ର | 1<br>ରାହୁ କେତୁ | 2              | 3               |
| 11                     |                |                | 4<br>ବୁଧ        |
| 10<br>ଜନ୍ମ             |                |                | 5<br>ମଙ୍ଗଳ ଗୁରୁ |
| 9                      | 8              | 7<br>ଲଗ୍ନ ବରୁଣ | 6<br>ରବି ରୁଦ୍ର  |

ଶିକ୍ଷା

ଶିକ୍ଷା

ସଂସ୍କୃତି

ବଳ

|                 |                              |   |                       |
|-----------------|------------------------------|---|-----------------------|
| 12<br>ଗୁରୁ ଜନ୍ମ | 1<br>ବୁଧ ଚନ୍ଦ୍ର ରାହୁ<br>କେତୁ | 2 | 3                     |
| 11              |                              |   | 4                     |
| 10              |                              |   | 5<br>ଶୁକ୍ର ମଙ୍ଗଳ ବରୁଣ |
| 9<br>ଲଗ୍ନ ରୁଦ୍ର | 8<br>ଶନି                     | 7 | 6<br>ରବି              |

|                     |               |                  |               |
|---------------------|---------------|------------------|---------------|
| 12                  | 1<br>ଶୁକ୍ର    | 2<br>ବୁଧ         | 3<br>ଶନି ରାହୁ |
| 11<br>ଲଗ୍ନ          |               |                  | 4<br>ଚନ୍ଦ୍ର   |
| 10                  |               |                  | 5             |
| 9<br>କେତୁ ଜନ୍ମ ବରୁଣ | 8<br>ରବି ଗୁରୁ | 7<br>ମଙ୍ଗଳ ରୁଦ୍ର | 6             |



ଡ଼ିଶାଣ

ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟ

ଶବେଦାଶଂ

ଶୁଭଫଳ

|                       |                   |   |              |
|-----------------------|-------------------|---|--------------|
| 12<br>ଶୁକ୍ର ରାହୁ କେତୁ | 1<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ    | 2 | 3<br>ରୁଦ୍ର   |
| 11                    |                   |   | 4            |
| 10<br>ଲଗ୍ନ            |                   |   | 5            |
| 9<br>ଚନ୍ଦ୍ର ବରୁଣ      | 8<br>ଶୁକ୍ର ଇନ୍ଦ୍ର | 7 | 6<br>ବୁଧ ଶନି |

|                      |   |                |                   |
|----------------------|---|----------------|-------------------|
| 12                   | 1 | 2<br>ମଙ୍ଗଳ ଶନି | 3<br>ରବି ଚନ୍ଦ୍ର   |
| 11<br>ଲଗ୍ନ ରାହୁ କେତୁ |   |                | 4<br>ଶୁକ୍ର ରୁଦ୍ର  |
| 10<br>ବୁଧ            |   |                | 5<br>ଶୁକ୍ର ଇନ୍ଦ୍ର |
| 9<br>ବରୁଣ            | 8 | 7              | 6                 |

ଅକ୍ଷବେଦାଶଂ

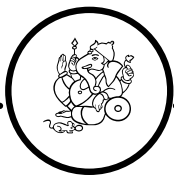
ସର୍ବକୁଶଳ

କ୍ଷତି ଅଂଶ

ସର୍ବକୁଶଳ

|                  |                 |                  |                      |
|------------------|-----------------|------------------|----------------------|
| 12               | 1<br>ଶନି ଚନ୍ଦ୍ର | 2<br>ଶୁକ୍ର ଶୁକ୍ର | 3<br>ରାହୁ କେତୁ ରୁଦ୍ର |
| 11<br>ରବି ଇନ୍ଦ୍ର |                 |                  | 4<br>ବରୁଣ            |
| 10<br>ବୁଧ ମଙ୍ଗଳ  |                 |                  | 5<br>ଲଗ୍ନ            |
| 9                | 8               | 7                | 6                    |

|                 |                       |            |                             |
|-----------------|-----------------------|------------|-----------------------------|
| 12<br>ଲଗ୍ନ କେତୁ | 1<br>ବୁଧ ଶୁକ୍ର ଚନ୍ଦ୍ର | 2<br>ରୁଦ୍ର | 3<br>ଇନ୍ଦ୍ର                 |
| 11              |                       |            | 4                           |
| 10              |                       |            | 5<br>ମଙ୍ଗଳ                  |
| 9               | 8                     | 7<br>ଶନି   | 6<br>ରବି ଶୁକ୍ର ରାହୁ<br>ବରୁଣ |



## ଭାବତାଲିକା

| ଭାବ | ଭାବଆରମ୍ଭ       | ଭାବମଧ୍ୟ        |
|-----|----------------|----------------|
| 1   | କନ୍ୟା 06:20:03 | କନ୍ୟା 21:25:53 |
| 2   | ତୁଳା 06:20:03  | ତୁଳା 21:14:14  |
| 3   | ବିଛା 06:08:24  | ବିଛା 21:02:35  |
| 4   | ଧନୁ 05:56:45   | ଧନୁ 20:50:56   |
| 5   | ମକର 05:56:45   | ମକର 21:02:35   |
| 6   | କୁମ୍ଭ 06:08:24 | କୁମ୍ଭ 21:14:14 |
| 7   | ମୀନ 06:20:03   | ମୀନ 21:25:53   |
| 8   | ମେଷ 06:20:03   | ମେଷ 21:14:14   |
| 9   | ବୃଷ 06:08:24   | ବୃଷ 21:02:35   |
| 10  | ମିଥୁନ 05:56:45 | ମିଥୁନ 20:50:56 |
| 11  | କର୍କଟ 05:56:45 | କର୍କଟ 21:02:35 |
| 12  | ସିଂହ 06:08:24  | ସିଂହ 21:14:14  |

## ଭାବ ଚଳିତ ଚକ୍ର

|                   |   |                    |                 |
|-------------------|---|--------------------|-----------------|
| 12<br>କେତୁ ଇନ୍ଦ୍ର | 1 | 2<br>ରବି ବୁଧ ମଙ୍ଗଳ | 3<br>ଚନ୍ଦ୍ର     |
| 11<br>ବୃଷ         |   |                    | 4<br>ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ |
| 10                |   |                    | 5               |
| 9<br>ରୁଦ୍ର        | 8 | 7<br>ଶନି           | 6<br>ଲଗ୍ନ ରାହୁ  |

## ଚନ୍ଦ୍ରକୁଣ୍ଡଳୀ

|                   |          |          |                       |
|-------------------|----------|----------|-----------------------|
| 12<br>କେତୁ ଇନ୍ଦ୍ର | 1        | 2<br>ବୁଧ | 3<br>ରବି ମଙ୍ଗଳ ଚନ୍ଦ୍ର |
| 11<br>ବୃଷ         |          |          | 4<br>ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ       |
| 10                |          |          | 5                     |
| 9<br>ରୁଦ୍ର        | 8<br>ଶନି | 7        | 6<br>ଲଗ୍ନ ରାହୁ        |



## ସୂର୍ଯ୍ୟ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଉପଗ୍ରହ

| ଉପଗ୍ରହ    | ସ୍ଥାନୀ | ରାଶି  | ଅଂଶ      | ନକ୍ଷତ୍ର      | ପାଦ |
|-----------|--------|-------|----------|--------------|-----|
| ଧୂମ       | ମଙ୍ଗଳ  | ତୁଳା  | 15:06:14 | ସ୍ବାତୀ       | 3   |
| ବ୍ୟତିପାତ  | ରାହୁ   | କନ୍ୟା | 14:53:46 | ହସ୍ତ         | 2   |
| ପରିବେଶ    | ଚନ୍ଦ୍ର | ମୀନ   | 14:53:46 | ଉତ୍ତର ଭାଦ୍ରବ | 4   |
| ଇନ୍ଦ୍ରପାପ | ଶୁକ୍ର  | ମେଷ   | 15:06:14 | ଭରଣି         | 1   |
| ଉପକେତୁ    | କେତୁ   | ବୃଷ   | 01:46:14 | କୃତିକା       | 2   |
| ଭୂକମ୍ପ    |        | ସିଂହ  | 21:46:14 | ପୁର୍ବା       | 3   |
| ଉପଗ୍ରହ    |        | ତୁଳା  | 01:46:14 | ଚିତ୍ରା       | 3   |
| ବହୁଦଣ୍ଡ   |        | ଧନୁ   | 08:26:14 | ମୂଳା         | 3   |
| ଧୂଜା      |        | କୁମ୍ଭ | 28:26:14 | ପୂର୍ବ ଭାଦ୍ରବ | 3   |

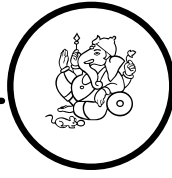
## ବାର ଉପରେ ଆଧାରିତ ଉପଗ୍ରହ(ପରାଶର)

| ଉପଗ୍ରହ      | ରାଶି  | ଅଂଶ      | ସ୍ଥାନୀ | ନକ୍ଷତ୍ର  | ପାଦ |
|-------------|-------|----------|--------|----------|-----|
| କାଳବେଳା     | କନ୍ୟା | 01:15:44 | ବୃଧ    | ଉତ୍ତରା   | 2   |
| ପରିଧି       | କନ୍ୟା | 24:46:05 | ବୃଧ    | ଚିତ୍ରା   | 1   |
| ମୃତ୍ୟୁ      | ତୁଳା  | 17:42:20 | ଶୁକ୍ର  | ସ୍ବାତୀ   | 4   |
| ଅର୍ଦ୍ଧପ୍ରହର | ମିଥୁନ | 01:27:43 | ବୃଧ    | ମୃଗଶିର   | 3   |
| ଯମକାଣ୍ଡକ    | ମିଥୁନ | 23:43:51 | ବୃଧ    | ପୁନର୍ବସୁ | 2   |
| କୋଦଣ୍ଡ      | କର୍କଟ | 15:31:18 | ଚନ୍ଦ୍ର | ପୁଷ୍ୟ    | 4   |
| ଗୁଲିକା      | ସିଂହ  | 08:08:51 | ରବି    | ମଘା      | 3   |
| ମନ୍ଦି       | ସିଂହ  | 25:01:10 | ରବି    | ପୁର୍ବା   | 4   |

## ବାର ଉପରେ ଆଧାରିତ ଉପଗ୍ରହ(କାଳିଦାସ)

| ଉପଗ୍ରହ      | ରାଶି  | ଅଂଶ      | ସ୍ଥାନୀ | ନକ୍ଷତ୍ର  | ପାଦ |
|-------------|-------|----------|--------|----------|-----|
| କାଳବେଳା     | କନ୍ୟା | 24:46:05 | ବୃଧ    | ଚିତ୍ରା   | 1   |
| ପରିଧି       | ତୁଳା  | 17:42:20 | ଶୁକ୍ର  | ସ୍ବାତୀ   | 4   |
| ମୃତ୍ୟୁ      | ମିଥୁନ | 01:27:43 | ବୃଧ    | ମୃଗଶିର   | 3   |
| ଅର୍ଦ୍ଧପ୍ରହର | ମିଥୁନ | 23:43:51 | ବୃଧ    | ପୁନର୍ବସୁ | 2   |
| ଯମକାଣ୍ଡକ    | କର୍କଟ | 15:31:18 | ଚନ୍ଦ୍ର | ପୁଷ୍ୟ    | 4   |
| କୋଦଣ୍ଡ      | ସିଂହ  | 08:08:51 | ରବି    | ମଘା      | 3   |
| ଗୁଲିକା      | କନ୍ୟା | 01:15:44 | ବୃଧ    | ଉତ୍ତରା   | 2   |
| ମନ୍ଦି       | ସିଂହ  | 25:01:10 | ରବି    | ପୁର୍ବା   | 4   |

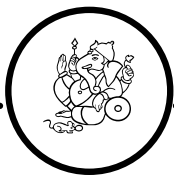




## ଭିନ୍ନ ଅଙ୍ଗକ ବର୍ଗ

| ଶନି    |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     | ଗୁରୁ   |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     |
|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|
| ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  | ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  |
| ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII | ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII |
| ଶନି    | O    | -  | - | -  | -   | O | -  | -   | -  | O  | -  | O   | ଶନି    | O    | -  | - | -  | -   | - | O  | -   | -  | O  | -  | O   |
| ଗୁରୁ   | -    | O  | O | -  | -   | - | -  | O   | O  | -  | -  | -   | ଗୁରୁ   | O    | O  | - | O  | O   | O | O  | -   | -  | O  | O  | -   |
| ମଙ୍ଗଳ  | O    | O  | - | -  | O   | - | O  | O   | -  | -  | -  | O   | ମଙ୍ଗଳ  | O    | -  | O | O  | -   | O | -  | -   | O  | O  | -  | O   |
| ରବି    | O    | -  | O | O  | -   | O | -  | -   | O  | O  | -  | O   | ରବି    | O    | -  | O | O  | O   | O | -  | -   | O  | O  | O  | O   |
| ଶୁକ୍ର  | -    | O  | O | -  | -   | - | -  | -   | O  | -  | -  | -   | ଶୁକ୍ର  | O    | O  | - | -  | O   | - | -  | O   | O  | -  | -  | O   |
| ବୁଧ    | O    | -  | - | -  | -   | - | O  | -   | O  | O  | O  | O   | ବୁଧ    | -    | O  | O | -  | O   | O | O  | -   | -  | O  | O  | O   |
| ଚନ୍ଦ୍ର | O    | -  | - | -  | O   | - | -  | O   | -  | -  | -  | -   | ଚନ୍ଦ୍ର | O    | -  | - | O  | -   | - | O  | -   | O  | -  | O  | -   |
| ଲଗ୍ନ   | -    | -  | O | O  | -   | O | -  | O   | O  | -  | O  | -   | ଲଗ୍ନ   | -    | O  | O | O  | -   | O | O  | -   | O  | O  | O  | O   |
| ସମୁଦାୟ | 5    | 3  | 4 | 2  | 2   | 3 | 2  | 4   | 5  | 3  | 2  | 4   | ସମୁଦାୟ | 6    | 4  | 4 | 5  | 4   | 5 | 5  | 1   | 5  | 6  | 5  | 6   |

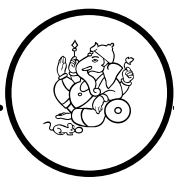
| ମଙ୍ଗଳ  |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     | ରବି    |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     |
|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|
| ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  | ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  |
| ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII | ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII |
| ଶନି    | -    | O  | O | O  | O   | O | -  | O   | -  | -  | O  | -   | ଶନି    | -    | O  | O | O  | O   | O | -  | O   | O  | -  | O  | -   |
| ଗୁରୁ   | O    | O  | O | -  | -   | - | -  | -   | O  | -  | -  | -   | ଗୁରୁ   | -    | O  | - | -  | -   | - | -  | O   | O  | -  | -  | O   |
| ମଙ୍ଗଳ  | O    | -  | O | O  | -   | O | -  | -   | O  | O  | -  | O   | ମଙ୍ଗଳ  | O    | -  | O | O  | -   | O | -  | -   | O  | O  | O  | O   |
| ରବି    | O    | -  | - | -  | O   | - | O  | O   | -  | -  | -  | O   | ରବି    | O    | -  | O | O  | -   | O | -  | -   | O  | O  | O  | O   |
| ଶୁକ୍ର  | -    | O  | O | -  | -   | - | -  | -   | O  | -  | O  | -   | ଶୁକ୍ର  | -    | -  | O | -  | -   | - | -  | -   | O  | O  | -  | -   |
| ବୁଧ    | -    | -  | - | O  | -   | O | O  | -   | -  | -  | -  | O   | ବୁଧ    | O    | -  | - | O  | -   | O | O  | -   | -  | O  | O  | O   |
| ଚନ୍ଦ୍ର | O    | -  | - | -  | O   | - | -  | O   | -  | -  | -  | -   | ଚନ୍ଦ୍ର | O    | -  | - | -  | O   | - | -  | O   | -  | -  | -  | O   |
| ଲଗ୍ନ   | -    | -  | O | O  | -   | O | -  | O   | -  | -  | O  | -   | ଲଗ୍ନ   | -    | -  | O | O  | O   | - | -  | O   | O  | -  | O  | -   |
| ସମୁଦାୟ | 4    | 3  | 5 | 4  | 3   | 4 | 2  | 4   | 3  | 1  | 3  | 3   | ସମୁଦାୟ | 4    | 2  | 5 | 5  | 3   | 4 | 1  | 4   | 6  | 4  | 5  | 5   |



## ଭିନ୍ନ ଅଙ୍ଗର ବର୍ଗ

| ଶୁକ୍ର  |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     | ବୁଧ    |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     |
|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|
| ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  | ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  |
| ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII | ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII |
| ଶନି    | -    | -  | ୦ | ୦  | ୦   | ୦ | -  | -   | -  | ୦  | ୦  | ୦   | ଶନି    | -    | ୦  | ୦ | ୦  | ୦   | ୦ | -  | ୦   | ୦  | -  | ୦  | -   |
| ଗୁରୁ   | ୦    | ୦  | - | -  | -   | - | -  | ୦   | -  | -  | ୦  | ୦   | ଗୁରୁ   | -    | ୦  | ୦ | -  | -   | - | -  | ୦   | -  | ୦  | -  |     |
| ମଙ୍ଗଳ  | ୦    | ୦  | - | -  | ୦   | - | ୦  | ୦   | -  | -  | ୦  | -   | ମଙ୍ଗଳ  | ୦    | -  | ୦ | ୦  | -   | ୦ | -  | ୦   | ୦  | ୦  | ୦  |     |
| ରବି    | ୦    | ୦  | - | -  | -   | - | -  | -   | -  | ୦  | -  | -   | ରବି    | ୦    | ୦  | - | -  | -   | ୦ | ୦  | -   | -  | ୦  | -  |     |
| ଶୁକ୍ର  | ୦    | ୦  | - | ୦  | ୦   | ୦ | ୦  | ୦   | -  | -  | ୦  | ୦   | ଶୁକ୍ର  | -    | ୦  | - | ୦  | ୦   | ୦ | ୦  | ୦   | -  | -  | ୦  | ୦   |
| ବୁଧ    | -    | -  | - | ୦  | -   | ୦ | ୦  | -   | -  | ୦  | -  | ୦   | ବୁଧ    | ୦    | ୦  | - | ୦  | -   | ୦ | ୦  | -   | -  | ୦  | ୦  | ୦   |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ୦    | ୦  | ୦ | ୦  | ୦   | ୦ | ୦  | -   | -  | ୦  | ୦  | -   | ଚନ୍ଦ୍ର | ୦    | -  | - | ୦  | -   | ୦ | -  | ୦   | -  | ୦  | -  | ୦   |
| ଲଗ୍ନ   | ୦    | ୦  | - | ୦  | -   | ୦ | ୦  | ୦   | ୦  | ୦  | -  | -   | ଲଗ୍ନ   | ୦    | -  | ୦ | ୦  | -   | ୦ | ୦  | -   | ୦  | -  | ୦  | -   |
| ସମୁଦାୟ | 6    | 6  | 2 | 5  | 4   | 5 | 5  | 4   | 1  | 5  | 5  | 4   | ସମୁଦାୟ | 5    | 5  | 4 | 6  | 2   | 6 | 4  | 4   | 4  | 3  | 7  | 4   |

| ଚନ୍ଦ୍ର |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     | ଲଗ୍ନ   |      |    |   |    |     |   |    |     |    |    |    |     |
|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|--------|------|----|---|----|-----|---|----|-----|----|----|----|-----|
| ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  | ରାଶି   | 1    | 2  | 3 | 4  | 5   | 6 | 7  | 8   | 9  | 10 | 11 | 12  |
| ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII | ଭାବ    | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V  | VI | VII |
| ଶନି    | ୦    | -  | - | -  | -   | ୦ | -  | -   | -  | ୦  | -  | ୦   | ଶନି    | ୦    | -  | - | -  | ୦   | ୦ | -  | ୦   | -  | ୦  | ୦  | -   |
| ଗୁରୁ   | ୦    | ୦  | ୦ | ୦  | -   | - | ୦  | -   | -  | ୦  | ୦  | -   | ଗୁରୁ   | ୦    | ୦  | - | ୦  | ୦   | - | ୦  | ୦   | ୦  | ୦  | -  | ୦   |
| ମଙ୍ଗଳ  | ୦    | -  | - | ୦  | ୦   | - | ୦  | ୦   | -  | -  | ୦  | ୦   | ମଙ୍ଗଳ  | ୦    | -  | ୦ | -  | ୦   | - | -  | ୦   | -  | -  | -  | ୦   |
| ରବି    | ୦    | -  | - | -  | ୦   | - | -  | ୦   | ୦  | ୦  | -  | ୦   | ରବି    | ୦    | ୦  | - | -  | ୦   | ୦ | -  | ୦   | -  | -  | -  | ୦   |
| ଶୁକ୍ର  | ୦    | ୦  | - | -  | -   | ୦ | ୦  | ୦   | -  | ୦  | -  | ୦   | ଶୁକ୍ର  | -    | -  | - | ୦  | ୦   | ୦ | ୦  | ୦   | -  | -  | ୦  | ୦   |
| ବୁଧ    | -    | ୦  | - | ୦  | ୦   | ୦ | -  | ୦   | ୦  | -  | ୦  | ୦   | ବୁଧ    | -    | ୦  | ୦ | -  | ୦   | - | ୦  | -   | ୦  | -  | ୦  | ୦   |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ୦    | -  | ୦ | -  | ୦   | - | -  | ୦   | ୦  | -  | -  | ୦   | ଚନ୍ଦ୍ର | ୦    | ୦  | - | -  | ୦   | - | -  | ୦   | -  | -  | -  | ୦   |
| ଲଗ୍ନ   | -    | -  | ୦ | ୦  | -   | - | -  | ୦   | -  | -  | ୦  | -   | ଲଗ୍ନ   | -    | -  | ୦ | ୦  | -   | - | -  | ୦   | -  | -  | ୦  | -   |
| ସମୁଦାୟ | 6    | 3  | 3 | 4  | 4   | 3 | 3  | 6   | 3  | 4  | 4  | 6   | ସମୁଦାୟ | 5    | 4  | 3 | 3  | 7   | 3 | 3  | 7   | 2  | 2  | 4  | 6   |



## ଅଢ଼କବର୍ଗ

|        | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | ସମୁଦାୟ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--------|
| ରବି    | 4  | 2  | 5  | 5  | 3  | 4  | 1  | 4  | 6  | 4  | 5  | 5  | 48     |
| ଚନ୍ଦ୍ର | 6  | 3  | 3  | 4  | 4  | 3  | 3  | 6  | 3  | 4  | 4  | 6  | 49     |
| ମଙ୍ଗଳ  | 4  | 3  | 5  | 4  | 3  | 4  | 2  | 4  | 3  | 1  | 3  | 3  | 39     |
| ବୁଧ    | 5  | 5  | 4  | 6  | 2  | 6  | 4  | 4  | 4  | 3  | 7  | 4  | 54     |
| ଶୁକ୍ର  | 6  | 4  | 4  | 5  | 4  | 5  | 5  | 1  | 5  | 6  | 5  | 6  | 56     |
| ଶନି    | 6  | 6  | 2  | 5  | 4  | 5  | 5  | 4  | 1  | 5  | 5  | 4  | 52     |
| ଶନି    | 5  | 3  | 4  | 2  | 2  | 3  | 2  | 4  | 5  | 3  | 2  | 4  | 39     |
| ସମୁଦାୟ | 36 | 26 | 27 | 31 | 22 | 30 | 22 | 27 | 27 | 26 | 31 | 32 | 337    |
| ରାହୁ   | 1  | 4  | 4  | 3  | 6  | 2  | 5  | 2  | 7  | 5  | 2  | 3  | 44     |
| କେତୁ   | 5  | 4  | 3  | 3  | 7  | 3  | 3  | 7  | 2  | 2  | 4  | 6  | 49     |

## ତିକୋଣ ସୋଧନ ପରେ

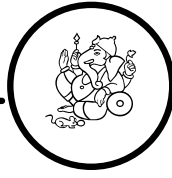
|        | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|
| ରବି    | 1 | 0 | 4 | 1 | 0 | 2 | 0 | 0 | 3 | 2  | 4  | 1  |
| ଚନ୍ଦ୍ର | 3 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 1  | 1  | 2  |
| ମଙ୍ଗଳ  | 1 | 2 | 3 | 1 | 0 | 3 | 0 | 1 | 0 | 0  | 1  | 0  |
| ବୁଧ    | 3 | 2 | 0 | 2 | 0 | 3 | 0 | 0 | 2 | 0  | 3  | 0  |
| ଶୁକ୍ର  | 2 | 0 | 0 | 4 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 2  | 1  | 5  |
| ଶନି    | 5 | 1 | 0 | 1 | 3 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0  | 3  | 0  |
| ଶନି    | 3 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 3 | 0  | 0  | 2  |

## ଏକାଧିପତ୍ୟ ସୋଧନ ପରେ

|        | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|
| ରବି    | 1 | 0 | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0  | 2  | 0  |
| ଚନ୍ଦ୍ର | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0  | 0  | 2  |
| ମଙ୍ଗଳ  | 0 | 2 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0  | 1  | 0  |
| ବୁଧ    | 3 | 2 | 0 | 2 | 0 | 3 | 0 | 0 | 2 | 0  | 3  | 0  |
| ଶୁକ୍ର  | 2 | 0 | 0 | 4 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1  | 0  | 4  |
| ଶନି    | 5 | 1 | 0 | 1 | 3 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0  | 3  | 0  |
| ଶନି    | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 1 | 0  | 0  | 0  |

## ସୋଞ୍ଜ୍ୟ ପିଣ୍ଡ

| ପିଣ୍ଡ | ରବି | ଚନ୍ଦ୍ର | ମଙ୍ଗଳ | ବୁଧ | ଶୁକ୍ର | ଶନି |     |
|-------|-----|--------|-------|-----|-------|-----|-----|
| ଗ୍ରହ  | 89  | 10     | 86    | 44  | 68    | 22  | 46  |
| ରାଶି  | 83  | 64     | 67    | 115 | 95    | 126 | 55  |
| ଶୋଧ୍ୟ | 172 | 74     | 153   | 159 | 163   | 148 | 101 |



## ନୈସର୍ଗିକ

|        | ରବି   | ବୁଧ   | ଶୁକ୍ର | ମଙ୍ଗଳ | ଗୁରୁ  | ଶନି   | ଚନ୍ଦ୍ର | ରାହୁ  | କେତୁ  |
|--------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|-------|-------|
| ରବି    | ---   | ସମ    | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ  | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ |
| ବୁଧ    | ବନ୍ଧୁ | ---   | ବନ୍ଧୁ | ସମ    | ସମ    | ସମ    | ଶତ୍ରୁ  | ସମ    | ସମ    |
| ଶୁକ୍ର  | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ---   | ସମ    | ସମ    | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ  | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ |
| ମଙ୍ଗଳ  | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ସମ    | ---   | ବନ୍ଧୁ | ସମ    | ବନ୍ଧୁ  | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ |
| ଗୁରୁ   | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ---   | ସମ    | ବନ୍ଧୁ  | ବନ୍ଧୁ | ସମ    |
| ଶନି    | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ସମ    | ---   | ଶତ୍ରୁ  | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ସମ    | ସମ    | ସମ    | ସମ    | ---    | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ |
| ରାହୁ   | ଶତ୍ରୁ | ସମ    | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ  | ---   | ଶତ୍ରୁ |
| କେତୁ   | ଶତ୍ରୁ | ସମ    | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ସମ    | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ  | ଶତ୍ରୁ | ---   |

## ତାତ୍ତ୍ୱାଳିକ

|        | ରବି   | ବୁଧ   | ଶୁକ୍ର | ମଙ୍ଗଳ | ଗୁରୁ  | ଶନି   | ଚନ୍ଦ୍ର | ରାହୁ  | କେତୁ  |
|--------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|-------|-------|
| ରବି    | ---   | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ  | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ |
| ବୁଧ    | ବନ୍ଧୁ | ---   | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ  | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ |
| ଶୁକ୍ର  | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ---   | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ  | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ |
| ମଙ୍ଗଳ  | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ---   | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ  | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ |
| ଗୁରୁ   | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ---   | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ  | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ |
| ଶନି    | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ | ---   | ଶତ୍ରୁ  | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ---    | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ |
| ରାହୁ   | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ  | ---   | ଶତ୍ରୁ |
| କେତୁ   | ବନ୍ଧୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ | ଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ | ବନ୍ଧୁ  | ଶତ୍ରୁ | ---   |

## ପଞ୍ଚଧା

|        | ରବି      | ବୁଧ      | ଶୁକ୍ର    | ମଙ୍ଗଳ    | ଗୁରୁ     | ଶନି      | ଚନ୍ଦ୍ର   | ରାହୁ     | କେତୁ     |
|--------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| ରବି    | ---      | ବନ୍ଧୁ    | ସମ       | ସମ       | ପରମମିତ୍ର | ପରମଶତ୍ରୁ | ସମ       | ସମ       | ସମ       |
| ବୁଧ    | ପରମମିତ୍ର | ---      | ପରମମିତ୍ର | ବନ୍ଧୁ    | ବନ୍ଧୁ    | ଶତ୍ରୁ    | ସମ       | ଶତ୍ରୁ    | ବନ୍ଧୁ    |
| ଶୁକ୍ର  | ସମ       | ପରମମିତ୍ର | ---      | ବନ୍ଧୁ    | ଶତ୍ରୁ    | ସମ       | ସମ       | ପରମମିତ୍ର | ସମ       |
| ମଙ୍ଗଳ  | ସମ       | ସମ       | ବନ୍ଧୁ    | ---      | ପରମମିତ୍ର | ଶତ୍ରୁ    | ସମ       | ସମ       | ପରମମିତ୍ର |
| ଗୁରୁ   | ପରମମିତ୍ର | ସମ       | ପରମଶତ୍ରୁ | ପରମମିତ୍ର | ---      | ଶତ୍ରୁ    | ପରମମିତ୍ର | ପରମମିତ୍ର | ଶତ୍ରୁ    |
| ଶନି    | ପରମଶତ୍ରୁ | ସମ       | ସମ       | ପରମଶତ୍ରୁ | ଶତ୍ରୁ    | ---      | ପରମଶତ୍ରୁ | ପରମମିତ୍ର | ପରମଶତ୍ରୁ |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ସମ       | ପରମମିତ୍ର | ବନ୍ଧୁ    | ଶତ୍ରୁ    | ବନ୍ଧୁ    | ଶତ୍ରୁ    | ---      | ସମ       | ସମ       |
| ରାହୁ   | ସମ       | ଶତ୍ରୁ    | ପରମମିତ୍ର | ସମ       | ପରମମିତ୍ର | ପରମମିତ୍ର | ସମ       | ---      | ପରମଶତ୍ରୁ |
| କେତୁ   | ସମ       | ବନ୍ଧୁ    | ସମ       | ପରମମିତ୍ର | ଶତ୍ରୁ    | ପରମଶତ୍ରୁ | ସମ       | ପରମଶତ୍ରୁ | ---      |

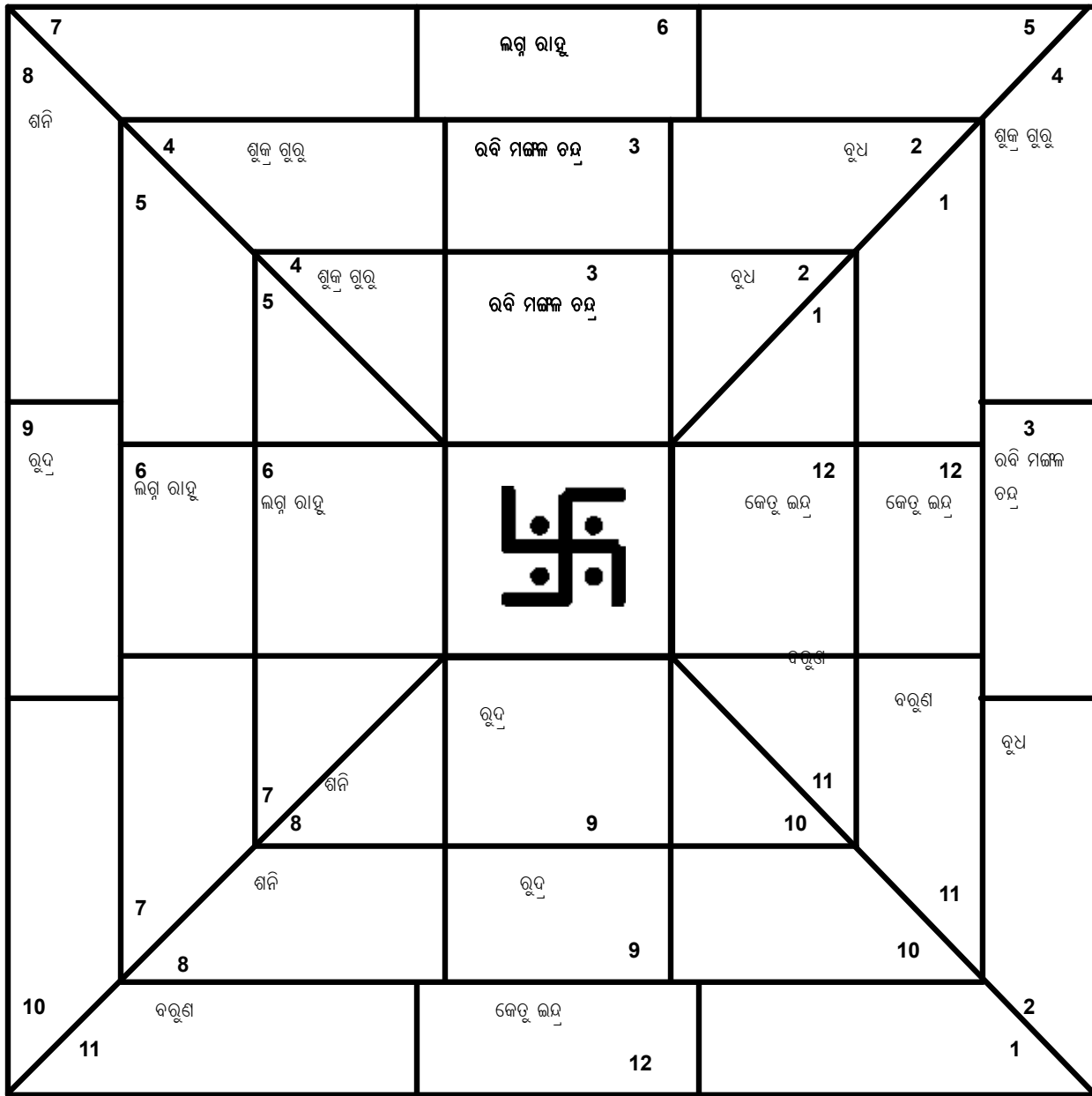


## ସୁଦର୍ଶନ ଚକ୍ର

02/14/26/38/50/62/74/86/98/110

01/13/25/37/49/61/73/85/97/109

12/24/36/48/60/72/84/96/108/120



06/18/30/42/54/66/78/90/102

07/19/31/43/55/67/79/91/103

08/20/32/44/56/68/92/104

ଲଗ୍ନ ବ୍ୟତିତ ଚନ୍ଦ୍ର ଓ ସୂର୍ଯ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଭାବେ ସେମାନଙ୍କ ସମତା ବଜାୟ ରଖିବାରେ ସକ୍ଷମ ହେବେ- ସୁଦର୍ଶନ ଚକ୍ରରେ ଜାତକର ଭବିଷ୍ୟ ଲଗ୍ନ ବ୍ୟତିତ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଚନ୍ଦ୍ରଙ୍କ ଉପରେ ମଧ୍ୟ ବିଚାର କାଯାଇ ଥାଏ- ଏହାଦ୍ୱାରା ଏକ ସମୟରେ ଲଗ୍ନ, ସୂର୍ଯ୍ୟ ଓ ଚନ୍ଦ୍ରରୁ ଗୃହର ଛିତି ଜଣା ପଡିଥାଏ-

ସୁଦର୍ଶନ ଚକ୍ର ଦ୍ୱାରା ମଧ୍ୟ ଶୁଭ ଅଶୁଭ ଘଟଣା ଅଥବା ଘଟଣାର ସମ୍ଭବ ସମୟ ଯାଣିହୁଏ-



## କାରକ ଗ୍ରହ

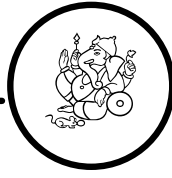
|        | ସ୍ଥିର କାରକ | ସଫଳ କାରକ | ଅକ୍ଷ କାରକ |
|--------|------------|----------|-----------|
| ରବି    | ପିତା       | ଜ୍ଞାତି   | ଜ୍ଞାତି    |
| ବୁଧ    | ବୁଦ୍ଧି     | ଭ୍ରାତୃ   | ମାତୃ      |
| ଶୁକ୍ର  | ଜୀବନସାଥୀ   | ଆମାତ୍ୟ   | ଭ୍ରାତୃ    |
| ମଙ୍ଗଳ  | ବିକ୍ରମ     | କଳତ୍ର    | କଳତ୍ର     |
| ଗୁରୁ   | ଧନସମ୍ପଦ    | ଆତ୍ମା    | ଆତ୍ମା     |
| ଶନି    | ପରମାତ୍ମା   | ମାତୃ     | ପୁତ୍ର     |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ମାତା       | ମାତୃ     | ପିତୃ      |
| ରାହୁ   | ଆଶା        | ---      | ଅମାତ୍ୟ    |
| କେତୁ   | ମୋକ୍ଷ      | ---      | ---       |

## ଗ୍ରହାବସ୍ଥା

|        | ଅବସ୍ଥା ୩ | ଅବସ୍ଥା ୫ | ଅବସ୍ଥା ୬ | ଅବସ୍ଥା ୯ | ଅବସ୍ଥା ୧୦ | ଅବସ୍ଥା ୧୨  |
|--------|----------|----------|----------|----------|-----------|------------|
| ରବି    | ସ୍ୱପ୍ନ   | ବାଲ୍ୟ    | ମୁଦିତ    | ଶାନ୍ତ    | ହର୍ଷିତ    | ପ୍ରକାଶନ    |
| ବୁଧ    | ସ୍ୱପ୍ନ   | ବୃଦ୍ଧ    | ---      | ପ୍ରମୁଦିତ | ଶାନ୍ତ     | ଉପବେଶନ     |
| ଶୁକ୍ର  | ସ୍ୱପ୍ନ   | ଯୁବକ     | ମୁଦିତ    | ଦୀନ      | ଶାନ୍ତ     | ନିଦ୍ରା     |
| ମଙ୍ଗଳ  | ସ୍ୱପ୍ନ   | ବାଲ୍ୟ    | ---      | ଦୀନ      | ଶାନ୍ତ     | ଉପବେଶନ     |
| ଗୁରୁ   | ଜାଗ୍ରତ   | ବାଲ୍ୟ    | ଗର୍ବିତ   | ଶୋଭିତ    | ଦିପ୍ତ     | ନିଦ୍ରା     |
| ଶନି    | ସ୍ୱପ୍ନ   | ମୃତ      | ---      | ଦୀନ      | ପୀଡିତ     | ଉପବେଶନ     |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ସ୍ୱପ୍ନ   | କୁମାର    | ମୁଦିତ    | ଶାନ୍ତ    | ହର୍ଷିତ    | କୌତୁକ      |
| ରାହୁ   | ସ୍ୱପ୍ନ   | ଯୁବକ     | ଭୋକିଲା   | ଦୀନ      | ଶାନ୍ତ     | ନୃତ୍ୟଲିଙ୍ଗ |
| କେତୁ   | ସ୍ୱପ୍ନ   | ଯୁବକ     | ଭୋକିଲା   | ଦୀନ      | ଶାନ୍ତ     | ଆଗମ        |

## ନୂତନତାରା ଚକ୍ର

| କ୍ରମ | ସଂପତ୍ତି | ବିପତ୍ତି | କ୍ଷେମ | ପ୍ରତ୍ୟାଭି | ସାଧକ | ବ୍ୟ | ମିତ୍ର | ପରମମିତ୍ର |
|------|---------|---------|-------|-----------|------|-----|-------|----------|
| 06   | 07      | 08      | 09    | 10        | 11   | 12  | 13    | 14       |
| 15   | 16      | 17      | 18    | 19        | 20   | 21  | 22    | 23       |
| 24   | 25      | 26      | 27    | 01        | 02   | 03  | 04    | 05       |



## ଗହସଂଯୋଗ

| ଗ୍ରହ   | ରବି | ବୁଧ | ଶୁକ୍ର     | ମଙ୍ଗଳ     | ଗୁରୁ      | ଶନି       | ଚନ୍ଦ୍ର     | ରାହୁ       | କେତୁ       | ଲଗ୍ନ       | ବରୁଣ       | ରୁଦ୍ର      |
|--------|-----|-----|-----------|-----------|-----------|-----------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| ଲଗ୍ନ   | 110 | 130 | 65        | 110       | 56        | 44<br>SSQ | 100        | 9          | 171        | 184        | 144<br>BQT | 89<br>SQU  |
| ରବି    |     | 20  | 45<br>SSQ | 1<br>CNJ  | 53        | 154       | 9          | 101        | 281        | 294        | 254        | 199        |
| ବୁଧ    |     |     | 65        | 19        | 73<br>QNT | 174       | 29<br>SSX  | 121<br>TRN | 301<br>SXT | 314<br>SSQ | 274        | 219<br>BQT |
| ଶୁକ୍ର  |     |     |           | 46<br>SSQ | 8         | 109       | 36         | 56         | 236        | 249        | 209<br>QNC | 154        |
| ମଙ୍ଗଳ  |     |     |           |           | 54        | 155       | 10         | 101        | 281        | 295        | 255        | 200        |
| ଗୁରୁ   |     |     |           |           |           | 101       | 44<br>SSQ  | 47<br>SSQ  | 227<br>SQQ | 241<br>TRN | 201        | 146<br>BQT |
| ଶନି    |     |     |           |           |           |           | 145<br>BQT | 53         | 127        | 140        | 100        | 45<br>SSQ  |
| ଚନ୍ଦ୍ର |     |     |           |           |           |           |            | 91<br>SQU  | 271<br>SQU | 285<br>QNT | 245        | 190        |
| ରାହୁ   |     |     |           |           |           |           |            |            | 180<br>OPP | 193        | 153<br>QNC | 98         |
| କେତୁ   |     |     |           |           |           |           |            |            |            | 13         | 27<br>SSX  | 82         |
| ଲଗ୍ନ   |     |     |           |           |           |           |            |            |            |            | 40         | 95         |
| ବରୁଣ   |     |     |           |           |           |           |            |            |            |            |            | 55         |

## Index of Words:

CNJ: Conjunction

TRN: Trine

SSQ: Semi Square

QNT: Quintile

OPP: Opposition

SXT: Sextile

QNC: Quincunx

BQT: Bi Quintile

SQU: Square

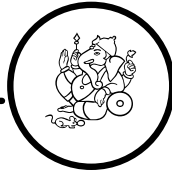
SQQ: Sesquiquadrate

SSX: Semi Sextile

ଗ୍ରହଦୃଷ୍ଟି ସମ୍ବନ୍ଧରେ ବିଚାର ନିମନ୍ତେ ୩ ଡିଗ୍ରୀ ୨୦ ମିନିଟ ର ପ୍ରଭାବ ବିଶିଷ୍ଟ କ୍ଷେତ୍ର ନିଆ ଯାଇଅଛି.

## ପାରାଶରିକୃଷି

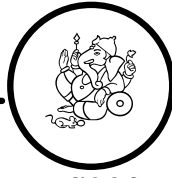
| ଗ୍ରହ   | ଦ୍ଵାରଦୃଷ୍ଟି | ଗ୍ରହ  | ଦ୍ଵାରଦୃଷ୍ଟି |
|--------|-------------|-------|-------------|
| ରବି    | -           | ଶୁକ୍ର | -           |
| ଚନ୍ଦ୍ର | -           | ଶନି   | ବୁଧ ଗୁରୁ    |
| ମଙ୍ଗଳ  | -           | ରାହୁ  | ମଙ୍ଗଳ କେତୁ  |
| ବୁଧ    | ଶନି         | କେତୁ  | ଗୁରୁ ରାହୁ   |
| ଗୁରୁ   | -           | ଲଗ୍ନ  | ମଙ୍ଗଳ କେତୁ  |



## ଶନି ସାଢ଼େ ସାତ

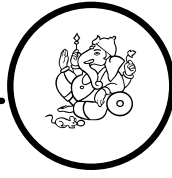
| ଶନି ସାଢ଼େ ସାତ | ରାଶି  | ପ୍ରବେଶ     | ନିର୍ଗମ     | ମୁଣ୍ଡ    |
|---------------|-------|------------|------------|----------|
| ଅଷ୍ଟମାଶନି     | ମକର   | 24-01-2020 | 28-04-2022 | ଲୁହା     |
| ଅଷ୍ଟମାଶନି     | ମକର   | 13-07-2022 | 17-01-2023 | ଲୁହା     |
| ସାତେସାତ       | ବୃଷ   | 08-08-2029 | 05-10-2029 | ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ |
| ସାତେସାତ       | ବୃଷ   | 17-04-2030 | 30-05-2032 | ଲୁହା     |
| ଜନ୍ମଶନି       | ମିଥୁନ | 31-05-2032 | 12-07-2034 | ରଜତ      |
| ସାତେସାତ       | କର୍କଟ | 13-07-2034 | 27-08-2036 | ଲୁହା     |
| କଞ୍ଚିକାଶନି    | କନ୍ୟା | 23-10-2038 | 05-04-2039 | ରଜତ      |
| କଞ୍ଚିକାଶନି    | କନ୍ୟା | 13-07-2039 | 27-01-2041 | ରଜତ      |
| କଞ୍ଚିକାଶନି    | କନ୍ୟା | 06-02-2041 | 25-09-2041 | ଲୁହା     |
| ଅଷ୍ଟମାଶନି     | ମକର   | 07-03-2049 | 09-07-2049 | ରଜତ      |
| ଅଷ୍ଟମାଶନି     | ମକର   | 04-12-2049 | 24-02-2052 | ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ |
| ସାତେସାତ       | ବୃଷ   | 28-05-2059 | 10-07-2061 | ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ |
| ସାତେସାତ       | ବୃଷ   | 14-02-2062 | 06-03-2062 | ରଜତ      |
| ଜନ୍ମଶନି       | ମିଥୁନ | 11-07-2061 | 13-02-2062 | ତମ୍ବା    |
| ଜନ୍ମଶନି       | ମିଥୁନ | 07-03-2062 | 23-08-2063 | ରଜତ      |
| ଜନ୍ମଶନି       | ମିଥୁନ | 06-02-2064 | 09-05-2064 | ରଜତ      |
| ସାତେସାତ       | କର୍କଟ | 24-08-2063 | 05-02-2064 | ତମ୍ବା    |
| ସାତେସାତ       | କର୍କଟ | 10-05-2064 | 12-10-2065 | ଲୁହା     |
| ସାତେସାତ       | କର୍କଟ | 04-02-2066 | 02-07-2066 | ଲୁହା     |
| କଞ୍ଚିକାଶନି    | କନ୍ୟା | 30-08-2068 | 04-11-2070 | ଲୁହା     |
| ଅଷ୍ଟମାଶନି     | ମକର   | 15-01-2079 | 11-04-2081 | ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ |
| ଅଷ୍ଟମାଶନି     | ମକର   | 03-08-2081 | 06-01-2082 | ଲୁହା     |
| ସାତେସାତ       | ବୃଷ   | 18-07-2088 | 30-10-2088 | ରଜତ      |
| ସାତେସାତ       | ବୃଷ   | 06-04-2089 | 18-09-2090 | ରଜତ      |
| ସାତେସାତ       | ବୃଷ   | 25-10-2090 | 20-05-2091 | ରଜତ      |
| ଜନ୍ମଶନି       | ମିଥୁନ | 19-09-2090 | 24-10-2090 | ରଜତ      |
| ଜନ୍ମଶନି       | ମିଥୁନ | 21-05-2091 | 02-07-2093 | ଲୁହା     |
| ସାତେସାତ       | କର୍କଟ | 03-07-2093 | 18-08-2095 | ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ |
| କଞ୍ଚିକାଶନି    | କନ୍ୟା | 12-10-2097 | 02-05-2098 | ରଜତ      |
| ଅଷ୍ଟମାଶନି     | ମକର   | 25-02-2108 | 28-07-2108 | ରଜତ      |





## ସଦ୍‌ବଳ

|                  | ରବି    | ବୁଧ    | ଶୁକ୍ର  | ମଙ୍ଗଳ  | ଗୁରୁ   | ଶନି    | ଚନ୍ଦ୍ର |
|------------------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| ଉଚ୍ଚ ବଳ          | 42.74  | 18.86  | 23.44  | 18.99  | 53.31  | 54.74  | 47.31  |
| ସଂସ୍କରଣୀୟ ବଳ     | 105.00 | 71.25  | 60.00  | 82.50  | 110.62 | 52.50  | 86.25  |
| ଦିନ-ରାତ୍ରି ବଳ    | 30     | 15     | 15     | 30     | 15     | 15     | 15     |
| କ୍ଲେୟାଦି ବଳ      | 60.00  | 15.00  | 30.00  | 60.00  | 30.00  | 15.00  | 60.00  |
| ଦୈନିକ ବଳ         | 15.00  | 15.00  | 0.00   | 15.00  | 0.00   | 0.00   | 0.00   |
| ସ୍ଥାନ ବଳ         | 252.74 | 135.11 | 128.44 | 206.49 | 208.93 | 137.24 | 208.56 |
| ଦିଗ ବଳ           | 53.64  | 16.72  | 8.61   | 53.40  | 41.21  | 14.78  | 3.26   |
| ନବୋନ୍ମତ ବଳ       | 53.81  | 60.00  | 53.81  | 6.19   | 53.81  | 6.19   | 6.19   |
| ପକ୍ଷ ବଳ          | 56.90  | 3.10   | 3.10   | 56.90  | 3.10   | 56.90  | 3.10   |
| ତ୍ରିଭାଗ ବଳ       | 60.00  | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 60.00  | 0.00   | 0.00   |
| ବର୍ଷ ବଳ          | 0.00   | 15.00  | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   |
| ମାସ ବଳ           | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 30.00  |
| ବାର ବଳ           | 0.00   | 45.00  | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   |
| ହୋରାବଳ           | 0.00   | 60.00  | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   |
| ଅୟନ ବଳ           | 58.61  | 51.89  | 46.42  | 58.37  | 43.62  | 49.95  | 1.71   |
| ଯୁଷ୍ଟ ବଳ         | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   | 0.00   |
| ଜାଳ ବଳ           | 229.32 | 234.99 | 103.33 | 121.46 | 160.53 | 113.04 | 41.00  |
| ଚେଷ୍ଟା ବଳ        | 58.61  | 42.13  | 38.71  | 31.17  | 52.09  | 35.82  | 3.1    |
| ନୈସର୍ଗିକ ବଳ      | 60     | 25.71  | 42.86  | 17.14  | 34.29  | 8.57   | 51.43  |
| ଦିକ୍ ବଳ          | -11.75 | -11.95 | -14.28 | -11.84 | -16.38 | 3.62   | -10.59 |
| ସମୁଦାୟ ସଦ୍‌ବଳ    | 642.56 | 442.71 | 307.67 | 417.82 | 480.67 | 313.07 | 296.76 |
| ରୂପରେ ସଦ୍‌ବଳ     | 10.71  | 7.38   | 5.13   | 6.96   | 8.01   | 5.22   | 4.95   |
| ନିମ୍ନରେ ଥିବା ଅଂଶ | 1.65   | 1.05   | 0.93   | 1.39   | 1.23   | 1.04   | 0.82   |
| ସ୍ଥାନ ବଳ ଅଂଶ     | 1.53   | 0.82   | 0.97   | 2.15   | 1.27   | 1.43   | 1.57   |
| ଦିଗ ବଳ ଅଂଶ       | 1.53   | 0.48   | 0.17   | 1.78   | 1.18   | 0.49   | 0.07   |
| ଜାଳ ବଳ ଅଂଶ       | 2.05   | 2.1    | 1.03   | 1.81   | 1.43   | 1.69   | 0.41   |
| ଚେଷ୍ଟା ବଳ ଅଂଶ    | 1.17   | 0.84   | 1.29   | 0.78   | 1.04   | 0.9    | 0.1    |
| ଅୟନ ବଳ ଅଂଶ       | 1.95   | 1.73   | 1.16   | 2.92   | 1.45   | 2.5    | 0.04   |
| ସ୍ଥିତି           | 1      | 3      | 6      | 4      | 2      | 5      | 7      |
| ଇଷ୍ଟ ଫଳ          | 50.05  | 28.19  | 30.12  | 24.33  | 52.70  | 44.28  | 12.11  |
| କୃଷ୍ଣ ଫଳ         | 4.89   | 27.11  | 27.90  | 34.38  | 7.27   | 11.28  | 26.87  |



## ଜନ୍ମ ସମୟରେ ଗହର ଛାଡ଼ି

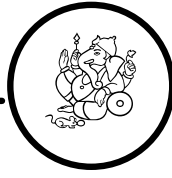
| ଗୃହ    | ରାଶି  | ଅଂଶ      | ନକ୍ଷତ୍ର      | ର. ନ. ଉ. ସ୍ଵାମି    | ଦିଗ    | ଅବସ୍ଥା |
|--------|-------|----------|--------------|--------------------|--------|--------|
| ଲଗ୍ନ   | ଜନ୍ୟା | 21:31:38 | ହସ୍ତ         | ବୁଧ-ଚନ୍ଦ୍ର-ଶୁକ୍ର   |        | -      |
| ରବି    | ମିଥୁନ | 01:51:59 | ମୃଗଶିରା      | ବୁଧ-ମଙ୍ଗଳ-ବୁଧ      | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ବୁଧ    | ବୃଷ   | 11:41:18 | ରୋହିଣୀ       | ଶୁକ୍ର-ଚନ୍ଦ୍ର-ମଙ୍ଗଳ | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ଶୁକ୍ର  | କର୍କଟ | 16:46:25 | ଆଶ୍ଳେଷା      | ଚନ୍ଦ୍ର-ବୁଧ-ବୁଧ     | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ମଙ୍ଗଳ  | ମିଥୁନ | 01:07:52 | ମୃଗଶିରା      | ବୁଧ-ମଙ୍ଗଳ-ବୁଧ      | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ଗୁରୁ   | କର୍କଟ | 25:10:09 | ଆଶ୍ଳେଷା      | ଚନ୍ଦ୍ର-ବୁଧ-ରାହୁ    | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ଶନି    | ବିଛା  | 05:52:32 | ଅନୁରାଧା      | ମଙ୍ଗଳ-ଶନି-ବୁଧ      | ବକ୍ର   | -      |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ମିଥୁନ | 11:09:37 | ଅରିଦ୍ରା      | ବୁଧ-ରାହୁ-ଶନି       | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ରାହୁ   | ଜନ୍ୟା | 12:31:30 | ହସ୍ତ         | ବୁଧ-ଚନ୍ଦ୍ର-ରାହୁ    | ବକ୍ର   | -      |
| କେତୁ   | ମୀନ   | 12:31:30 | ଉତ୍ତର ଭାଦ୍ରବ | ଗୁରୁ-ଶନି-ମଙ୍ଗଳ     | ବକ୍ର   | -      |
| ଛନ୍ଦ୍ର | ମୀନ   | 25:55:03 | ରେବତି        | ଗୁରୁ-ବୁଧ-ରାହୁ      | ମାର୍ଗୀ | -      |
| ବରୁଣ   | କୁମ୍ଭ | 15:50:03 | ଶତଭିଷା       | ଶନି-ରାହୁ-ଶୁକ୍ର     | ବକ୍ର   | -      |
| ରୁଦ୍ର  | ଧନୁ   | 20:45:21 | ପୂର୍ବାଷାଢ଼   | ଗୁରୁ-ଶୁକ୍ର-ଗୁରୁ    | ବକ୍ର   | -      |

ପାର୍ଶ୍ଵ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ: ତୁଳା

00:49:16

## କୃଷ୍ଣମୂର୍ତ୍ତି ଗୃହ କକ୍ଷ

| ଗୃହ   | ଗୃହ କକ୍ଷ |          | ର. ନ. ଉ. ସ୍ଵାମି | ଭାବ ଅବସ୍ଥା |             |
|-------|----------|----------|-----------------|------------|-------------|
| I.    | ଜନ୍ୟା    | 21:12:14 | ବୁ-ଚ-ଶୁ         | 171:12:14  | - 200:50:53 |
| II.   | ତୁଳା     | 20:50:53 | ଶୁ-ଗୁ-ଗୁ        | 200:50:53  | - 230:41:48 |
| III.  | ବିଛା     | 20:41:48 | ମ-ବୁ-ଶୁ         | 230:41:48  | - 260:37:48 |
| IV.   | ଧନୁ      | 20:37:48 | ଗୁ-ଶୁ-ଗୁ        | 260:37:48  | - 291:09:54 |
| V.    | ମକର      | 21:09:54 | ଶ-ଚ-ଶୁ          | 291:09:54  | - 321:55:14 |
| VI.   | କୁମ୍ଭ    | 21:55:14 | ଶ-ଗୁ-ଶ          | 321:55:14  | - 351:12:14 |
| VII.  | ମୀନ      | 21:12:14 | ଗୁ-ବୁ-ଶୁ        | 351:12:14  | - 20:50:53  |
| VIII. | ମେଷ      | 20:50:53 | ମ-ଶୁ-ଗୁ         | 20:50:53   | - 50:41:48  |
| IX.   | ବୃଷ      | 20:41:48 | ଶୁ-ଚ-ଶୁ         | 50:41:48   | - 80:37:48  |
| X.    | ମିଥୁନ    | 20:37:48 | ବୁ-ଗୁ-ଗୁ        | 80:37:48   | - 111:09:54 |
| XI.   | କର୍କଟ    | 21:09:54 | ଚ-ବୁ-ଶୁ         | 111:09:54  | - 141:55:14 |
| XII.  | ସିଂହ     | 21:55:14 | ଗୁ-ଶୁ-ଶ         | 141:55:14  | - 171 12:14 |



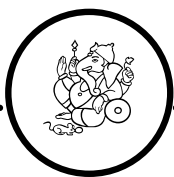
**ଭାବ ଗ୍ରହ କାରକ**  
**ଭାବ କାରକ ଗ୍ରହ ବଳ**

| ଗ୍ରହ  | ମହାବଳି | ବଳି       | ସାମାନ୍ୟ      | କ୍ଷିଣ          |
|-------|--------|-----------|--------------|----------------|
| I.    | -      | -         | ବୁଧ          | ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ     |
| II.   | -      | ଶନି       | ଶୁକ୍ର        | କେତୁ           |
| III.  | -      | ମଙ୍ଗଳ     | -            | ରବି            |
| IV.   | -      | -         | ଗୁରୁ         | -              |
| V.    | -      | ଶନି       | -            | କେତୁ           |
| VI.   | -      | ଶନି       | କେତୁ         | -              |
| VII.  | -      | -         | ଗୁରୁ         | -              |
| VIII. | -      | ମଙ୍ଗଳ     | ବୁଧ          | ରବି ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ |
| IX.   | -      | ରବି ମଙ୍ଗଳ | ଶୁକ୍ର ଚନ୍ଦ୍ର | ବୁଧ ରାହୁ       |
| X.    | -      | -         | ବୁଧ ଶୁକ୍ର    | ଗୁରୁ           |
| XI.   | -      | -         | ଗୁରୁ ଚନ୍ଦ୍ର  | ବୁଧ ରାହୁ       |
| XII.  | -      | -         | ରବି ରାହୁ     | -              |

**ଭାବ ର କାରକ ଗ୍ରହ**

| ଗ୍ରହ  | କ      | ଖ                | ଗ          | ଘ                  |
|-------|--------|------------------|------------|--------------------|
| I.    | ବୁଧ    | -                | ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ | -                  |
| II.   | ଶୁକ୍ର  | ଶନି              | -          | ଶନି କେତୁ           |
| III.  | ମଙ୍ଗଳ  | -                | ରବି ମଙ୍ଗଳ  | -                  |
| IV.   | ଗୁରୁ   | -                | -          | -                  |
| V.    | ଶନି    | -                | ଶନି କେତୁ   | -                  |
| VI.   | ଶନି    | କେତୁ             | ଶନି କେତୁ   | -                  |
| VII.  | ଗୁରୁ   | -                | -          | -                  |
| VIII. | ମଙ୍ଗଳ  | ବୁଧ              | ରବି ମଙ୍ଗଳ  | ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ         |
| IX.   | ଶୁକ୍ର  | ରବି ମଙ୍ଗଳ ଚନ୍ଦ୍ର | -          | ରବି ବୁଧ ମଙ୍ଗଳ ରାହୁ |
| X.    | ବୁଧ    | ଶୁକ୍ର            | ଶୁକ୍ର ଗୁରୁ | -                  |
| XI.   | ଚନ୍ଦ୍ର | ଗୁରୁ             | ବୁଧ ରାହୁ   | -                  |
| XII.  | ରବି    | ରାହୁ             | -          | -                  |

କ୍ରମରେ କ ହେଉଛି କନ୍ଧରାଶି ସ୍ଥାନୀ, ଖ ହେଉଛି ଭାବସ୍ଥିତି ଗ୍ରହ, ଗ ହେଉଛି କନ୍ଧସ୍ଥାନୀ ନକ୍ଷତ୍ରରେ ଗ୍ରହ, ଘ ହେଉଛି ଭାବସ୍ଥିତି ଗ୍ରହର ନକ୍ଷତ୍ରରେ ଗ୍ରହ.

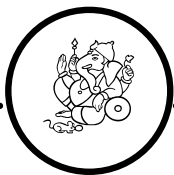


## ଗୃହ ର କାରକ ଭାବ

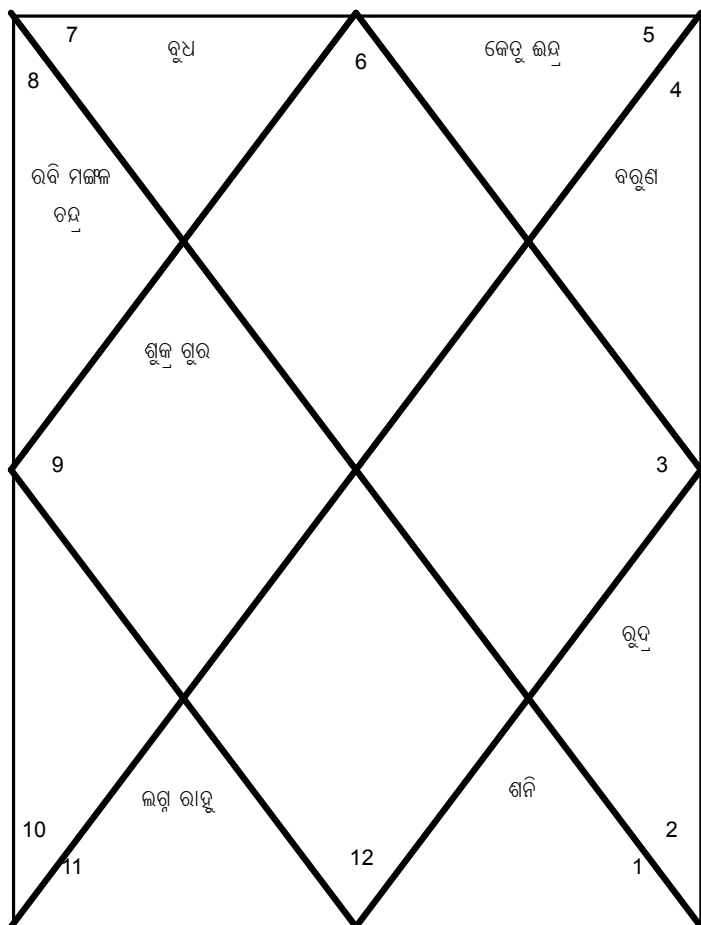
| ଗୃହ    | ମହାବଳି | ବଳି   | ସାମାନ୍ୟ | କ୍ଷିଣ  |
|--------|--------|-------|---------|--------|
| ରବି    | -      | 9     | 12      | 3 8    |
| ବୁଧ    | -      | -     | 1 8 10  | 9 11   |
| ଶୁକ୍ର  | -      | -     | 2 9 10  | 1 8    |
| ମଙ୍ଗଳ  | -      | 3 8 9 | -       | -      |
| ଗୁରୁ   | -      | -     | 4 7 11  | 1 8 10 |
| ଶନି    | -      | 2 5 6 | -       | -      |
| ଚନ୍ଦ୍ର | -      | -     | 9 11    | -      |
| ରାହୁ   | -      | -     | 12      | 9 11   |
| କେତୁ   | -      | -     | 6       | 2 5    |

## କାରକ ଉପ ପଡ଼ି

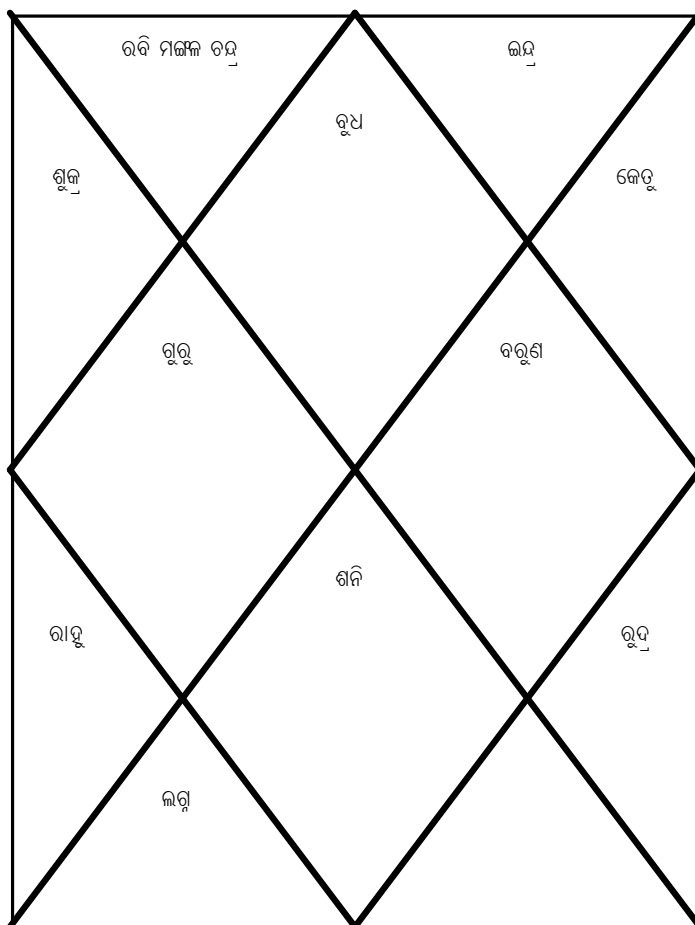
| ଗୃହ   | ଉପ ପଡ଼ି | ମହାବଳି | ବଳି   | ସାମାନ୍ୟ | କ୍ଷିଣ  |
|-------|---------|--------|-------|---------|--------|
| I.    | ଶୁକ୍ର   | -      | -     | 2 9 10  | 1 8    |
| II.   | ଗୁରୁ    | -      | -     | 4 7 11  | 1 8 10 |
| III.  | ଶୁକ୍ର   | -      | -     | 2 9 10  | 1 8    |
| IV.   | ଗୁରୁ    | -      | -     | 4 7 11  | 1 8 10 |
| V.    | ଶୁକ୍ର   | -      | -     | 2 9 10  | 1 8    |
| VI.   | ଶନି     | -      | 2 5 6 | -       | -      |
| VII.  | ଶୁକ୍ର   | -      | -     | 2 9 10  | 1 8    |
| VIII. | ଗୁରୁ    | -      | -     | 4 7 11  | 1 8 10 |
| IX.   | ଶୁକ୍ର   | -      | -     | 2 9 10  | 1 8    |
| X.    | ଗୁରୁ    | -      | -     | 4 7 11  | 1 8 10 |
| XI.   | ଶୁକ୍ର   | -      | -     | 2 9 10  | 1 8    |
| XII.  | ଶନି     | -      | 2 5 6 | -       | -      |



କୃଷ୍ଣମୂର୍ତ୍ତି ଲଗ୍ନ କୁଣ୍ଡଳୀ



କୃଷ୍ଣମୂର୍ତ୍ତି ଭାବ କୁଣ୍ଡଳୀ



ସ୍ଥାନୀ ଗ୍ରହ

|                     |        |
|---------------------|--------|
| ଦିବସ ସ୍ଥାନୀ         | ବୁଧ    |
| ଲଗ୍ନ ରାଶି ସ୍ଥାନୀ    | ବୁଧ    |
| ଲଗ୍ନ ନକ୍ଷତ୍ର ସ୍ଥାନୀ | ଚନ୍ଦ୍ର |
| ଲଗ୍ନ ଗୋଷ ସ୍ଥାନୀ     | ଶୁକ୍ର  |
| ଚନ୍ଦ୍ର ରାଶି ସ୍ଥାନୀ  | ବୁଧ    |
| ଚନ୍ଦ୍ର ରାଶି ସ୍ଥାନୀ  | ରାହୁ   |
| ଚନ୍ଦ୍ର ଗୋଷ ସ୍ଥାନୀ   | ଶନି    |

ପାର୍ସ ପାର୍ଶ୍ୱନା

କେ. ପି. ଅୟନାଂଶ

ଜନ୍ମ ସମୟର ବିଶେଷତା ଦଶା ଶେଷ

ତୁଳା

00:49:16

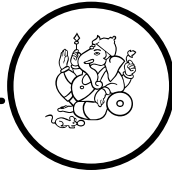
23:58:35

ରାହୁ:

11 ବର୍ଷ

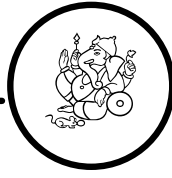
11 ମାସ

6 ଦିବସ



## ଜୈମିନ ଲଗ୍ନ ଓ ଝୁଟ

| ଲଗ୍ନ                                     |   | ରାଶି  |
|------------------------------------------|---|-------|
| ଜନ୍ମ ଲଗ୍ନ                                | : | କନ୍ୟା |
| ଦୋଷ୍ଟାଣା ଲଗ୍ନ ପାରମ୍ପରିକ                  | : | ବୃଷ   |
| ଦୋଷ୍ଟାଣା ଲଗ୍ନ(ପରିବୃତ୍ତି ତ୍ରୟ)            | : | କନ୍ୟା |
| ଦୋଷ୍ଟାଣା ଲଗ୍ନ(ସୋମନାଥ)                    | : | କର୍କଟ |
| ନବାଂଶ ଲଗ୍ନ ପାରମ୍ପରିକ                     | : | କର୍କଟ |
| ଗବରବଲଙ୍କାଣ କବିଜ୍ଞାନ (ଔଷଧିଜ୍ଞାନ କବିଜ୍ଞାନ) | : | ମୀନ   |
| ଅରୁତ ଲଗ୍ନ ପାରମ୍ପରିକ                      | : | ମକର   |
| ଅରୁତ ଲଗ୍ନ(ସମତ)                           | : | ମକର   |
| ଉପପଦ ଲଗ୍ନ ପାରମ୍ପରିକ                      | : | ମେଷ   |
| ଉପପଦ ଲଗ୍ନ(ସମତ)                           | : | ମେଷ   |
| ସ୍ୱାଂଶ ଲଗ୍ନ                              | : | କର୍କଟ |
| କାରକାଂଶ ଲଗ୍ନ                             | : | କୁମ୍ଭ |
| ପାକ ଲଗ୍ନ                                 | : | ବୃଷ   |
| ହୋରା ଲଗ୍ନ ପାରମ୍ପରିକ                      | : | ମେଷ   |
| ହୋରା ଲଗ୍ନ(ବୃଷି କାରକ)                     | : | ମୀନ   |
| ହୋରା ଲଗ୍ନ(ସବ୍ୟବ)                         | : | ତୁଳା  |
| ଭାବ ଲଗ୍ନ                                 | : | ଧନୁ   |
| ଘଟିକା ଲଗ୍ନ                               | : | ମୀନ   |
| ସପଦ ଘଟିକା ଲଗ୍ନ                           | : | ମେଷ   |
| ଅମ୍ଭୁର ଲଗ୍ନ                              | : | ମେଷ   |
| ବର୍ଣ୍ଣଦ ଲଗ୍ନ                             | : | ତୁଳା  |
| ଶ୍ମି ଲଗ୍ନ                                | : | ମକର   |
| ଲମ୍ବୁ ଲଗ୍ନ                               | : | ମିଥୁନ |
| ତାରା ଲଗ୍ନ                                | : | ଧନୁ   |
| ନକ୍ଷତ୍ର ଲଗ୍ନ                             | : | ଧନୁ   |
| ଦିବ୍ୟ ଲଗ୍ନ                               | : | ବିଛା  |
| ତିପବନ ଲଗ୍ନ                               | : | ବୃଷ   |
| ଝୁଟଯୋଗ ଲଗ୍ନ                              | : | ବୃଷ   |



### ଜୈମିନ ଲଗ୍ନ କୁଣ୍ଡଳୀ ରୂପିକ

ଜନ୍ମ ଲଗ୍ନ

|          |        |         |               |
|----------|--------|---------|---------------|
| 12<br>କେ | 1      | 2<br>ବୁ | 3<br>ସୁ ମଂ ତଂ |
| 11       |        |         | 4<br>ଶୁ ରୁ    |
| 10       |        |         | 5             |
| 9        | 8<br>ଶ | 7       | 6<br>ଲ ର      |

ଜନ୍ମ ଲଗ୍ନ

|          |           |         |            |
|----------|-----------|---------|------------|
| 12<br>ରୁ | 1         | 2<br>ଲ  | 3<br>ସୁ ମଂ |
| 11       |           |         | 4<br>କେ    |
| 10<br>ର  |           |         | 5          |
| 9        | 8<br>ଶୁ ଶ | 7<br>ତଂ | 6<br>ବୁ    |

ଦୋଷ୍ଟାଣ ପାରମ୍ପରିକ

|             |         |            |           |
|-------------|---------|------------|-----------|
| 12<br>ରୁ    | 1       | 2          | 3         |
| 11<br>ଶୁ କେ |         |            | 4         |
| 10<br>ଶ     |         |            | 5<br>ବୁ ର |
| 9           | 8<br>ତଂ | 7<br>ସୁ ମଂ | 6<br>ଲ    |

ଦୋଷ୍ଟାଣ ସୋମନାଥ

|          |            |         |              |
|----------|------------|---------|--------------|
| 12       | 1          | 2       | 3<br>ଶ       |
| 11<br>ବୁ |            |         | 4<br>ଲ ସୁ ମଂ |
| 10       |            |         | 5<br>ତଂ ର    |
| 9        | 8<br>ଶୁ କେ | 7<br>ରୁ | 6            |

ନବାଂଶ ପାରମ୍ପରିକ

|          |           |               |        |
|----------|-----------|---------------|--------|
| 12       | 1<br>ବୁ ର | 2             | 3      |
| 11<br>ରୁ |           |               | 4<br>ଲ |
| 10<br>ତଂ |           |               | 5<br>ଶ |
| 9<br>ଶୁ  | 8         | 7<br>ସୁ ମଂ କେ | 6      |

ନବାଂଶ ମିଶ୍ର କୃଷ୍ଣ

|                |           |   |        |
|----------------|-----------|---|--------|
| 12<br>ଲ କେ     | 1<br>ତଂ   | 2 | 3<br>ର |
| 11             |           |   | 4      |
| 10<br>ସୁ ଶୁ ମଂ |           |   | 5      |
| 9<br>ବୁ        | 8<br>ରୁ ଶ | 7 | 6      |

ଅରୁତ ଲଗ୍ନ ପାରମ୍ପରିକ

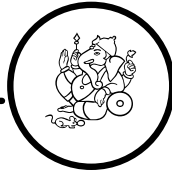
|          |        |         |               |
|----------|--------|---------|---------------|
| 12<br>କେ | 1      | 2<br>ବୁ | 3<br>ସୁ ମଂ ତଂ |
| 11       |        |         | 4<br>ଶୁ ରୁ    |
| 10<br>ଲ  |        |         | 5             |
| 9        | 8<br>ଶ | 7       | 6<br>ର        |

ଉପପଦ ଲଗ୍ନ

|          |        |         |               |
|----------|--------|---------|---------------|
| 12<br>କେ | 1<br>ଲ | 2<br>ବୁ | 3<br>ସୁ ମଂ ତଂ |
| 11       |        |         | 4<br>ଶୁ ରୁ    |
| 10       |        |         | 5             |
| 9        | 8<br>ଶ | 7       | 6<br>ର        |

କାରକାଂଶ ଲଗ୍ନ

|            |           |               |        |
|------------|-----------|---------------|--------|
| 12         | 1<br>ବୁ ର | 2             | 3      |
| 11<br>ଲ ରୁ |           |               | 4      |
| 10<br>ତଂ   |           |               | 5<br>ଶ |
| 9<br>ଶୁ    | 8         | 7<br>ସୁ ମଂ କେ | 6      |



## ଜୈମିନ ଝୁଟ

| ଝୁଟ ନାମ           | ଝୁଟ            |
|-------------------|----------------|
| ବିଜଝୁଟ ମୁଖ୍ୟ      | କର୍କଟ 05:04:45 |
| ବିଜଝୁଟ ଉପ--୧      | ମକର 13:31:17   |
| ବିଜଝୁଟ ଉପ--୨      | ତୁଳା 12:20:06  |
| କ୍ଷେତ୍ରଝୁଟ ମୁଖ୍ୟ  | ତୁଳା 13:40:08  |
| କ୍ଷେତ୍ରଝୁଟ ଉପ --୧ | ଧନୁ 07:10:23   |
| କ୍ଷେତ୍ରଝୁଟ ଉପ--୨  | କର୍କଟ 02:34:60 |

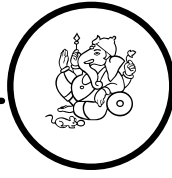
## ଜୈମିନି କାରକ

| ଗ୍ରହ   | ଅକ୍ଷ ଚର | ସପ୍ତ ଚର | ସପ୍ତ ସ୍ଥିର | ସପ୍ତ ଭାବ     |
|--------|---------|---------|------------|--------------|
| ରବି    | ଜ୍ଞାତି  | ଜ୍ଞାତ   | ଆତ୍ମ       |              |
| ବୁଧ    | ମାତୃ    | ଭ୍ରାତା  | ଅମାତ୍ୟ     | ଆତ୍ମ         |
| ଶୁକ୍ର  | ଭ୍ରାତା  | ଅମାତ୍ୟ  | ଦାରା       | ଅମାତ୍ୟ       |
| ମଙ୍ଗଳ  | ଦାରା    | ଦାରା    | ଭ୍ରାତା     | ଭ୍ରାତା       |
| ଗୁରୁ   | ଆତ୍ମ    | ଆତ୍ମ    | ଅପାତ୍ୟ     | ମାତୃ ଦାରା    |
| ଶନି    | ଅପାତ୍ୟ  | ଅପାତ୍ୟ  | ଜ୍ଞାତ      | ଅପାତ୍ୟ ଜ୍ଞାତ |
| ଚନ୍ଦ୍ର | ପିତୃ    | ମାତୃ    | ମାତୃ       |              |
| ରାହୁ   | ଅମାତ୍ୟ  |         |            |              |

## ଜୈମିନି ଦୃଷ୍ଟି

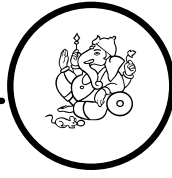
| ଗ୍ରହ                 | ସମ୍ମୁଖ ଦୃଷ୍ଟି                | ପାର୍ଶ୍ୱ ଦୃଷ୍ଟି |
|----------------------|------------------------------|----------------|
| ମେଷ                  | ବିଛା - ଶନି                   | ସିଂହ-କୁମ୍ଭ     |
| ବୃଷ - ବୁ             | ତୁଳା                         | କର୍କଟ-ମକର      |
| ମିଥୁନ - ସୁ - ମ° - ଚ° | ଧନୁ                          | କନ୍ୟା-ମୀନ      |
| କର୍କଟ - ଶୁ - ଗୁ      | କୁମ୍ଭ                        | ବୃଷ-ବିଛା       |
| ସିଂହ                 | ମକର                          | ମେଷ-ତୁଳା       |
| କନ୍ୟା - ଲ - ର        | ମୀନ - କେତୁ                   | ମିଥୁନ-ଧନୁ      |
| ତୁଳା                 | ବୃଷ - ବୁଧ                    | ସିଂହ-କୁମ୍ଭ     |
| ବିଛା - ଶ             | ମେଷ                          | କର୍କଟ-ମକର      |
| ଧନୁ                  | ମିଥୁନ - ରବି - ମଙ୍ଗଳ - ଚନ୍ଦ୍ର | କନ୍ୟା-ମୀନ      |
| ମକର                  | ସିଂହ                         | ବୃଷ-ବିଛା       |
| କୁମ୍ଭ                | କର୍କଟ - ଶୁକ୍ର - ଗୁରୁ         | ମେଷ-ତୁଳା       |
| ମୀନ - କେ             | କନ୍ୟା - ଲଗ୍ନ - ରାହୁ          | ମିଥୁନ-ଧନୁ      |





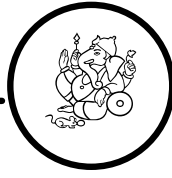
## ବିଂଶୋତ୍ତରୀ ଦଶା(ମହାଦଶା)

| ରାହୁ      | 18 ବର୍ଷ    | ଗୁରୁ      | 16 ବର୍ଷ    | ଶନି       | 19 ବର୍ଷ    |
|-----------|------------|-----------|------------|-----------|------------|
| ରୁ        | 10/07/2009 | ରୁ        | 10/07/2027 | ରୁ        | 10/07/2043 |
| ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2027 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2043 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2062 |
| ରାହୁ      | 10/07/2009 | ଗୁରୁ      | 10/07/2027 | ଶନି       | 10/07/2043 |
| ଗୁରୁ      | 22/03/2012 | ଶନି       | 28/08/2029 | ବୁଧ       | 13/07/2046 |
| ଶନି       | 15/08/2014 | ବୁଧ       | 10/03/2032 | କେତୁ      | 23/03/2049 |
| ବୁଧ       | 21/06/2017 | କେତୁ      | 15/06/2034 | ଶୁକ୍ର     | 01/05/2050 |
| କେତୁ      | 08/01/2020 | ଶୁକ୍ର     | 22/05/2035 | ରବି       | 01/07/2053 |
| ଶୁକ୍ର     | 26/01/2021 | ରବି       | 20/01/2038 | ଚନ୍ଦ୍ର    | 13/06/2054 |
| ରବି       | 26/01/2024 | ଚନ୍ଦ୍ର    | 09/11/2038 | ମଙ୍ଗଳ     | 12/01/2056 |
| ଚନ୍ଦ୍ର    | 20/12/2024 | ମଙ୍ଗଳ     | 09/03/2040 | ରାହୁ      | 21/02/2057 |
| ମଙ୍ଗଳ     | 21/06/2026 | ରାହୁ      | 13/02/2041 | ଗୁରୁ      | 28/12/2059 |
| ବୁଧ       | 17 ବର୍ଷ    | କେତୁ      | 7 ବର୍ଷ     | ଶୁକ୍ର     | 20 ବର୍ଷ    |
| ରୁ        | 10/07/2062 | ରୁ        | 10/07/2079 | ରୁ        | 10/07/2086 |
| ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2079 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2086 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2106 |
| ବୁଧ       | 10/07/2062 | କେତୁ      | 10/07/2079 | ଶୁକ୍ର     | 10/07/2086 |
| କେତୁ      | 06/12/2064 | ଶୁକ୍ର     | 06/12/2079 | ରବି       | 09/11/2089 |
| ଶୁକ୍ର     | 03/12/2065 | ରବି       | 05/02/2081 | ଚନ୍ଦ୍ର    | 09/11/2090 |
| ରବି       | 03/10/2068 | ଚନ୍ଦ୍ର    | 13/06/2081 | ମଙ୍ଗଳ     | 09/07/2092 |
| ଚନ୍ଦ୍ର    | 09/08/2069 | ମଙ୍ଗଳ     | 12/01/2082 | ରାହୁ      | 08/09/2093 |
| ମଙ୍ଗଳ     | 08/01/2071 | ରାହୁ      | 10/06/2082 | ଗୁରୁ      | 08/09/2096 |
| ରାହୁ      | 06/01/2072 | ଗୁରୁ      | 28/06/2083 | ଶନି       | 10/05/2099 |
| ଗୁରୁ      | 26/07/2074 | ଶନି       | 03/06/2084 | ବୁଧ       | 10/07/2102 |
| ଶନି       | 31/10/2076 | ବୁଧ       | 13/07/2085 | କେତୁ      | 10/05/2105 |
| ରବି       | 6 ବର୍ଷ     | ଚନ୍ଦ୍ର    | 10 ବର୍ଷ    | ମଙ୍ଗଳ     | 7 ବର୍ଷ     |
| ରୁ        | 10/07/2106 | ରୁ        | 10/07/2112 | ରୁ        | 10/07/2122 |
| ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2112 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2122 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ | 10/07/2129 |
| ରବି       | 10/07/2106 | ଚନ୍ଦ୍ର    | 10/07/2112 | ମଙ୍ଗଳ     | 10/07/2122 |
| ଚନ୍ଦ୍ର    | 28/10/2106 | ମଙ୍ଗଳ     | 10/05/2113 | ରାହୁ      | 06/12/2122 |
| ମଙ୍ଗଳ     | 28/04/2107 | ରାହୁ      | 10/12/2113 | ଗୁରୁ      | 24/12/2123 |
| ରାହୁ      | 03/09/2107 | ଗୁରୁ      | 10/06/2115 | ଶନି       | 29/11/2124 |
| ଗୁରୁ      | 28/07/2108 | ଶନି       | 10/10/2116 | ବୁଧ       | 08/01/2126 |
| ଶନି       | 16/05/2109 | ବୁଧ       | 11/05/2118 | କେତୁ      | 05/01/2127 |
| ବୁଧ       | 28/04/2110 | କେତୁ      | 10/10/2119 | ଶୁକ୍ର     | 03/06/2127 |
| କେତୁ      | 05/03/2111 | ଶୁକ୍ର     | 10/05/2120 | ରବି       | 03/08/2128 |
| ଶୁକ୍ର     | 10/07/2111 | ରବି       | 09/01/2122 | ଚନ୍ଦ୍ର    | 09/12/2128 |



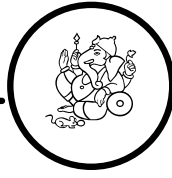
## ବିଶଦ୍ଧି ପ୍ରତ୍ୟାକ୍ତର

| ରାହୁ                 | ଗୁରୁ                 | ଶନି                  |
|----------------------|----------------------|----------------------|
| ରୁ 10/07/2009        | ରୁ 22/03/2012        | ରୁ 15/08/2014        |
| ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 22/03/2012 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 15/08/2014 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 21/06/2017 |
| ରାହୁ 10/07/2009      | ଗୁରୁ 22/03/2012      | ଶନି 15/08/2014       |
| ଗୁରୁ 05/12/2009      | ଶନି 17/07/2012       | ବୁଧ 27/01/2015       |
| ଶନି 15/04/2010       | ବୁଧ 02/12/2012       | କେତୁ 23/06/2015      |
| ବୁଧ 19/09/2010       | କେତୁ 06/04/2013      | ଶୁକ୍ର 23/08/2015     |
| କେତୁ 05/02/2011      | ଶୁକ୍ର 27/05/2013     | ରବି 12/02/2016       |
| ଶୁକ୍ର 04/04/2011     | ରବି 20/10/2013       | ଚନ୍ଦ୍ର 04/04/2016    |
| ରବି 15/09/2011       | ଚନ୍ଦ୍ର 03/12/2013    | ମଙ୍ଗଳ 30/06/2016     |
| ଚନ୍ଦ୍ର 04/11/2011    | ମଙ୍ଗଳ 14/02/2014     | ରାହୁ 30/08/2016      |
| ମଙ୍ଗଳ 25/01/2012     | ରାହୁ 06/04/2014      | ଗୁରୁ 02/02/2017      |
| ବୁଧ                  | କେତୁ                 | ଶୁକ୍ର                |
| ରୁ 21/06/2017        | ରୁ 08/01/2020        | ରୁ 26/01/2021        |
| ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 08/01/2020 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 26/01/2021 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 26/01/2024 |
| ବୁଧ 21/06/2017       | କେତୁ 08/01/2020      | ଶୁକ୍ର 26/01/2021     |
| କେତୁ 31/10/2017      | ଶୁକ୍ର 31/01/2020     | ରବି 28/07/2021       |
| ଶୁକ୍ର 25/12/2017     | ରବି 04/04/2020       | ଚନ୍ଦ୍ର 21/09/2021    |
| ରବି 29/05/2018       | ଚନ୍ଦ୍ର 23/04/2020    | ମଙ୍ଗଳ 21/12/2021     |
| ଚନ୍ଦ୍ର 14/07/2018    | ମଙ୍ଗଳ 25/05/2020     | ରାହୁ 23/02/2022      |
| ମଙ୍ଗଳ 30/09/2018     | ରାହୁ 16/06/2020      | ଗୁରୁ 06/08/2022      |
| ରାହୁ 23/11/2018      | ଗୁରୁ 13/08/2020      | ଶନି 31/12/2022       |
| ଗୁରୁ 12/04/2019      | ଶନି 03/10/2020       | ବୁଧ 22/06/2023       |
| ଶନି 14/08/2019       | ବୁଧ 02/12/2020       | କେତୁ 24/11/2023      |
| ରବି                  | ଚନ୍ଦ୍ର               | ମଙ୍ଗଳ                |
| ରୁ 26/01/2024        | ରୁ 20/12/2024        | ରୁ 21/06/2026        |
| ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 20/12/2024 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 21/06/2026 | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 09/07/2027 |
| ରବି 26/01/2024       | ଚନ୍ଦ୍ର 20/12/2024    | ମଙ୍ଗଳ 21/06/2026     |
| ଚନ୍ଦ୍ର 12/02/2024    | ମଙ୍ଗଳ 04/02/2025     | ରାହୁ 13/07/2026      |
| ମଙ୍ଗଳ 10/03/2024     | ରାହୁ 08/03/2025      | ଗୁରୁ 09/09/2026      |
| ରାହୁ 29/03/2024      | ଗୁରୁ 29/05/2025      | ଶନି 30/10/2026       |
| ଗୁରୁ 18/05/2024      | ଶନି 10/08/2025       | ବୁଧ 30/12/2026       |
| ଶନି 01/07/2024       | ବୁଧ 05/11/2025       | କେତୁ 22/02/2027      |
| ବୁଧ 22/08/2024       | କେତୁ 21/01/2026      | ଶୁକ୍ର 16/03/2027     |
| କେତୁ 07/10/2024      | ଶୁକ୍ର 22/02/2026     | ରବି 19/05/2027       |
| ଶୁକ୍ର 26/10/2024     | ରବି 25/05/2026       | ଚନ୍ଦ୍ର 07/06/2027    |



### ଡିଭାଇନିଟି

| ରାହୁ              | ଶୁକ୍ଳ             | ଶନି               |
|-------------------|-------------------|-------------------|
| ରୁ 17/06/2015     | ରୁ 02/07/2023     | ରୁ 02/03/2034     |
| ପର୍ବତ 02/07/2023  | ପର୍ବତ 02/03/2034  | ପର୍ବତ 31/10/2046  |
| ରାହୁ 19/04/2013   | ଶୁକ୍ଳ 03/12/2024  | ଶନି 03/03/2036    |
| ଶୁକ୍ଳ 24/11/2014  | ଶନି 12/08/2026    | ବୁଧ 18/12/2037    |
| ଶନି 18/10/2016    | ବୁଧ 15/02/2028    | କେତୁ 14/09/2038   |
| ବୁଧ 01/07/2018    | କେତୁ 29/09/2028   | ଶୁକ୍ଳ 24/10/2040  |
| କେତୁ 14/03/2019   | ଶୁକ୍ଳ 10/07/2030  | ରବି 12/06/2041    |
| ଶୁକ୍ଳ 14/03/2021  | ରବି 21/01/2031    | ଚନ୍ଦ୍ର 03/07/2042 |
| ରବି 19/10/2021    | ଚନ୍ଦ୍ର 12/12/2031 | ମଙ୍ଗଳ 30/03/2043  |
| ଚନ୍ଦ୍ର 19/10/2022 | ମଙ୍ଗଳ 26/07/2032  | ରାହୁ 21/02/2045   |
| ମଙ୍ଗଳ 02/07/2023  | ରାହୁ 02/03/2034   | ଶୁକ୍ଳ 31/10/2046  |
| ବୁଧ               | କେତୁ              | ଶୁକ୍ଳ             |
| ରୁ 31/10/2046     | ରୁ 01/03/2058     | ରୁ 30/10/2062     |
| ପର୍ବତ 01/03/2058  | ପର୍ବତ 30/10/2062  | ପର୍ବତ 29/02/2076  |
| ବୁଧ 09/06/2048    | କେତୁ 09/06/2058   | ଶୁକ୍ଳ 18/01/2065  |
| କେତୁ 05/02/2049   | ଶୁକ୍ଳ 20/03/2059  | ରବି 19/09/2065    |
| ଶୁକ୍ଳ 27/12/2050  | ରବି 13/06/2059    | ଚନ୍ଦ୍ର 30/10/2066 |
| ରବି 22/07/2051    | ଚନ୍ଦ୍ର 02/11/2059 | ମଙ୍ଗଳ 10/08/2067  |
| ଚନ୍ଦ୍ର 01/07/2052 | ମଙ୍ଗଳ 09/02/2060  | ରାହୁ 10/08/2069   |
| ମଙ୍ଗଳ 27/02/2053  | ରାହୁ 22/10/2060   | ଶୁକ୍ଳ 21/05/2071  |
| ରାହୁ 10/11/2054   | ଶୁକ୍ଳ 06/06/2061  | ଶନି 30/06/2073    |
| ଶୁକ୍ଳ 15/05/2056  | ଶନି 03/03/2062    | ବୁଧ 21/05/2075    |
| ଶନି 01/03/2058    | ବୁଧ 30/10/2062    | କେତୁ 29/02/2076   |
| ରବି               | ଚନ୍ଦ୍ର            | ମଙ୍ଗଳ             |
| ରୁ 29/02/2076     | ରୁ 29/02/2080     | ରୁ 30/10/2086     |
| ପର୍ବତ 29/02/2080  | ପର୍ବତ 30/10/2086  | ପର୍ବତ 30/06/2091  |
| ରବି 12/05/2076    | ଚନ୍ଦ୍ର 18/09/2080 | ମଙ୍ଗଳ 07/02/2087  |
| ଚନ୍ଦ୍ର 11/09/2076 | ମଙ୍ଗଳ 07/02/2081  | ରାହୁ 21/10/2087   |
| ମଙ୍ଗଳ 05/12/2076  | ରାହୁ 07/02/2082   | ଶୁକ୍ଳ 04/06/2088  |
| ରାହୁ 12/07/2077   | ଶୁକ୍ଳ 29/12/2082  | ଶନି 01/03/2089    |
| ଶୁକ୍ଳ 23/01/2078  | ଶନି 19/01/2084    | ବୁଧ 28/10/2089    |
| ଶନି 11/09/2078    | ବୁଧ 29/12/2084    | କେତୁ 04/02/2090   |
| ବୁଧ 06/04/2079    | କେତୁ 20/05/2085   | ଶୁକ୍ଳ 15/11/2090  |
| କେତୁ 30/06/2079   | ଶୁକ୍ଳ 30/06/2086  | ରବି 08/02/2091    |
| ଶୁକ୍ଳ 29/02/2080  | ରବି 30/10/2086    | ଚନ୍ଦ୍ର 30/06/2091 |



## ଯୋଗୀନିଦଶା

| ଦଶା      | ସ୍ଥାନୀ | ବୟସ    | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ  |
|----------|--------|--------|------------|
| ମଂଗଳା    | ଚନ୍ଦ୍ର | 1 ବର୍ଷ | 17/02/2016 |
| ପିଙ୍ଗଳା  | ରବି    | 2 ବର୍ଷ | 16/02/2018 |
| ଧାନ୍ୟ    | ଗୁରୁ   | 3 ବର୍ଷ | 16/02/2021 |
| ଭ୍ରାମାରି | ମଙ୍ଗଳା | 4 ବର୍ଷ | 16/02/2025 |
| ଭଦ୍ରକା   | ବୁଧ    | 5 ବର୍ଷ | 16/02/2030 |
| ଭ-1      | ଶନି    | 6 ବର୍ଷ | 17/02/2036 |
| ସିଂହ     | ଶୁକ୍ର  | 7 ବର୍ଷ | 17/02/2043 |
| ମଙ୍ଗଳା   | ରାହୁ   | 8 ବର୍ଷ | 17/02/2051 |
|          |        |        |            |
| ମଂଗଳା    | ଚନ୍ଦ୍ର | 1 ବର୍ଷ | 17/02/2052 |
| ପିଙ୍ଗଳା  | ରବି    | 2 ବର୍ଷ | 16/02/2054 |
| ଧାନ୍ୟ    | ଗୁରୁ   | 3 ବର୍ଷ | 16/02/2057 |
| ଭ୍ରାମାରି | ମଙ୍ଗଳା | 4 ବର୍ଷ | 16/02/2061 |
| ଭଦ୍ରକା   | ବୁଧ    | 5 ବର୍ଷ | 16/02/2066 |
| ଭ-1      | ଶନି    | 6 ବର୍ଷ | 17/02/2072 |
| ସିଂହ     | ଶୁକ୍ର  | 7 ବର୍ଷ | 17/02/2079 |
| ମଙ୍ଗଳା   | ରାହୁ   | 8 ବର୍ଷ | 17/02/2087 |

## ଷଡ଼ତିଂଶଦଶା

| ସ୍ଥାନୀ | ବୟସ    | ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ  |
|--------|--------|------------|
| ମଙ୍ଗଳା | 4 ବର୍ଷ | 20/02/2018 |
| ବୁଧ    | 5 ବର୍ଷ | 20/02/2023 |
| ଶନି    | 6 ବର୍ଷ | 20/02/2029 |
| ଶୁକ୍ର  | 7 ବର୍ଷ | 21/02/2036 |
| ରାହୁ   | 8 ବର୍ଷ | 21/02/2044 |
| ଚନ୍ଦ୍ର | 1 ବର୍ଷ | 20/02/2045 |
| ରବି    | 2 ବର୍ଷ | 20/02/2047 |
| ଗୁରୁ   | 3 ବର୍ଷ | 20/02/2050 |
|        |        |            |
| ମଙ୍ଗଳା | 4 ବର୍ଷ | 20/02/2054 |
| ବୁଧ    | 5 ବର୍ଷ | 20/02/2059 |
| ଶନି    | 6 ବର୍ଷ | 20/02/2065 |
| ଶୁକ୍ର  | 7 ବର୍ଷ | 21/02/2072 |
| ରାହୁ   | 8 ବର୍ଷ | 21/02/2080 |
| ଚନ୍ଦ୍ର | 1 ବର୍ଷ | 20/02/2081 |
| ରବି    | 2 ବର୍ଷ | 20/02/2083 |
| ଗୁରୁ   | 3 ବର୍ଷ | 20/02/2086 |

ଦଶାସ୍ଥାନୀ ଗ୍ରହମାନଙ୍କ ଅବସ୍ଥିତି, ଗ୍ରହଦଶା, ବୟସ ଓ ଦଶାଚକ୍ର, ବୟସ ଯୋଗୀନି ଓ ଷଡ଼ତିଂଶ ଦଶାରେ ସମାନ ରହେ- ଉଭୟ ଦଶାରେ କେବଳ ଦଶାର ଆରମ୍ଭ ଅଲଗା ଗ୍ରହରୁ ହୋଇଥାଏ- ଅନ୍ୟ ସମସ୍ତ ସମାନ ରହିଥାଏ-

ପାରାଶରଙ୍କ ଉପଦେଶ ଏହା ଯେ, ଯଦି ଜାତକର ଜନ୍ମ ସମୟରେ ଦିବସରେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ହୋଇଥିଲେ ଓ ରାତ୍ରିରେ ଚନ୍ଦ୍ର ହୋଇଥିଲେ ଅବସ୍ଥିତ ଥାଏ, ତେବେ ଷଡ଼ତିଂଶ ଦଶାର ଉପଯୋଗ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ଅଟେ-

ଏହି ନିୟମ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଯଦି ଜନ୍ମ ତିଥିରେ ଚନ୍ଦ୍ର ଦିବସରେ ହୋଇଥିଲେ ଓ ରାତ୍ରିରେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ହୋଇଥିଲେ ଅବସ୍ଥିତ ରହନ୍ତି- ତେବେ ଯୋଗୀନି ଦଶାର ବ୍ୟବହାର କରିବା ଉଚିତ-



## ଗୃହ ଯୋଗ ଫଳ

### ବାମାରୁକା ଯୋଗ

ଜୀବନର ତିନି ଭାଗମଧ୍ୟରୁ ପ୍ରଥମ ଭାଗ ତୁମପାଇଁ ବହୁତ ଶୁଭଦାୟି ରହିବ। ଜୀବନର ମଧ୍ୟ ଭାଗରେ (୨୪-୪୮ ବର୍ଷ ମଧ୍ୟ ରେ) ତୁମର ଉନ୍ନତିରେ ହୁଏତ କିଛି ବାଧା ଆସିପାରେ। ଏହାର କାରଣ ପରିସ୍ଥିତିର ପରିବର୍ତ୍ତନ ଯୋଗୁଁ ହୋଇପାରେ ଯାହା ଉପରେ ତୁମର କୌଣସି ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରହିବ ନାହିଁ।

ଯଦି ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ କୌଣସି ଶୁଭଦାୟକ ଯୋଗ ରହିଅଛି, ତେବେ ଏହାର ଫଳକୁ ବଦଳା ଯାଇ ପାରିବ।

### କାହାଲା ଯୋଗ

ଏହା ଏକ ଅଭୂତ ଯୋଗ। ଏହା ତୁମକୁ ସର୍ବଦା ଦୁଇଟି ଗୁରୁତ୍ୱର ବିଷୟ ମଧ୍ୟରେ ଦୋହଲ୍ୟମାନ ଅବସ୍ଥାରେ ରଖିବ। ତୁମର କିଛି ସମୟରେ ବିପୁଳ ପରିମାଣରେ ଆର୍ଥିକ ଅଭିବୃଦ୍ଧି ହେବ। ଏବଂ ଅନ୍ୟ କିଛି ସମୟରେ ତୁମେ ବହୁତ ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟପୂର୍ଣ୍ଣ ସ୍ଥିତିଦେଇ ଗତିକରିବ। ସମୟ ସହ ତୁମର ମାନଶୀଳ ଭୂୟୋଦୃଷ୍ଟିରେ ମଧ୍ୟ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣିବ।

### ଭିଦ୍ୟା ଯୋଗ

ଏହା ଏକ ଉତ୍ତମ ସଂଯୋଗ କୌଣସି ବିଦ୍ୟା କ୍ଷେତ୍ରରେ ତୁମର ଉନ୍ନତି ଆଣିବା ପାଇଁ। ତୁମର ଏକ ତୀକ୍ଷ୍ଣ ବୁଦ୍ଧି ଓ ଏକ ରକ୍ଷଣାତ୍ମକ ମନେରଖିବା ଶକ୍ତି ରହିଥିବ ଯାହା ତୁମକୁ କୌଣସି ବିଷୟକୁ ଶୀଘ୍ର ବୁଝିବାରେ ସାହାଯ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିବ। ଯେ କୌଣସି ସମସ୍ୟାର ମଧ୍ୟ ତୁମେ ଉଚିତ ସମାଧାନ ପଛା ବାହାର କରିପାରିବ।

### ଚନ୍ଦ୍ରମଙ୍ଗଳ ଯୋଗ

ଏହି ସଂଯୋଗ ବହୁତ ଉନ୍ନତି ଦୃଷ୍ଟିକୋଣରୁ ବହୁତ ଶୁଭଦାୟକ କିନ୍ତୁ ଅନ୍ୟକିଛି ଦୃଷ୍ଟିକୋଣରୁ ଏହା ବହୁତ ଅଶୁଭଦାୟୀ ହେବ। ତୁମେ ବହୁତ ଚତୁର ଓ ଦୃଢ଼ସାହସୀକ ରହିବ କିନ୍ତୁ ତୁମର ଶୀଘ୍ର ରାଗିବା ସ୍ୱଭାବ ତୁମ ଉପରେ କିଛି ଅଶୁଭ ପ୍ରଭାବ ପକାଇବ ଓ ତୁମର କୌଣସି ସଂପର୍କକୁ ନଷ୍ଟ କରିଦେବ। ତୁମେ ବହୁତ ଅବିଶ୍ରାନ୍ତ ରହିବ ଏବଂ ସହଜ ଓ ସରଳ ରାସ୍ତା ଗୁଡ଼ିକୁ ବହୁତ ପସନ୍ଦ କରିବ। ତୁମେ ଉଚ୍ଚ ନୈତିକତାବାଦି ହେବ ନାହିଁ ଓ ଅସାମାଜିକ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ସହ ସଂପର୍କ ରଖିବ।

### ଉତ୍ତରାସି ଯୋଗ

ଏହା ଏକ ଶୁଭଦାୟକ ସଂଯୋଗ। ଏହା ତୁମର ଉତ୍ତମ ଆଚରଣବାନ ହେବାରେ ଓ ତୁମର ବାକ୍ୟରେ ପ୍ରଭାବତା



ଆଶିବାରେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେ ତୁମେ ବହୁତ ସଂପତ୍ତି ଅର୍ଜନ କରିବ ଓ ଖ୍ୟାତି ମଧ୍ୟ ଲାଭ କରିବେ.

### ବନ୍ଧୁ ପୁରୁଷ ଯୋଗ

ଏହା ଏକ ଉଚ୍ଚ ଶୁଭଦାୟକ ସଂଯୋଗ. ତୁମର ଅତି ଉଚ୍ଚ ଯୋଗ୍ୟତା ରହିଥିବ ଯେଉଁଥି ପାଇଁ ତୁମର ମିତ୍ର ଓ ସହୋଦରମାନେ ତୁମକୁ ବହୁତ ପ୍ରଶଂସା କରିବେ.

### ସଦା ସଂଚାର ଯୋଗ

ଏହି ସଂଯୋଗ ଏକ ମିଶ୍ରିତ ଫଳ ପ୍ରଦାନ କାରି ହେବ. ତୁମେ ଏମିତି ଏକ ବୃତ୍ତିରେ ରହିବ ଯାହା ଦ୍ଵାରା ତୁମକୁ ଅନେକ ଦୂରସ୍ଥାନକୁ ଭ୍ରମଣ କରିବା ପାଇଁ ପଡିବ.



## ଗୃହଦୃଷ୍ଟିର ଫଳ

### ରବି ସେମିଞ୍ଚୋୟାର ଶୁକ୍ର

ଅତ୍ୟଧିକ ବ୍ୟୟ କିମ୍ବା ଆର୍ଥିକ ଅଭାବ ଜନିତ କାରଣରୁ, ତୁମକୁ ଏକ ଅସୁବିଧା ଜନକ ପରିସ୍ଥିତିର ସାମନା କରିବାକୁ ପଡିପାରେ। ତୁମର ଅଧିକୃତ ଜିନିଷର କୌଣସି ପ୍ରକାରେ ବିତ୍ୟୁତି ନ ଘଟାଇବାକୁ ତୁମେ ସବୁବେଳେ ସଜାଗ ରହିବା ଆବଶ୍ୟକ। ନିରାଶାରେ ନିଜ ମନକୁ ଅଯଥା ଜଡିତ ନ କରିବା ତୁମ ପକ୍ଷେ ଉଚିତ ହେବ। ଗଣ୍ଡଗୋଳିଆ ଓ ଅରୁଚିକର ପରିସ୍ଥିତିରୁ ତୁମେ ଦୂରରେ ରହିବା ଉଚିତ।

### ରବି ସଂଯୋଗ ମଙ୍ଗଳ

ତୁମେ ଉତ୍ତେଜିତ ହେବାରେ ପ୍ରବଣ ହେବା ସହିତ ଶକ୍ତି ଓ ସାହସିକତାରେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ହେବାର ଅନୁଭବ କରିଥାଅ। ଯାହାକି ସମୟ ସମୟରେ ତୁମକୁ ବିରୋଧୀ ମନୋଭାବାପନ୍ନ କରି ତୋଳେ। ଏହି ଅତ୍ୟନ୍ତ କ୍ଷିପ୍ର ସ୍ତରର କାର୍ଯ୍ୟକାଳାପରଥା ତୁମ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ଉପରେ ପଡିପାରେ ଯେଉଁଥି ପାଇଁ ତୁମକୁ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରିବାକୁ ପଡିପାରେ। ନୂତନ ପ୍ରକଳ୍ପ ଅଥବା ବେପାର ପରିକଳ୍ପନାରେ ତୁମେ ସଫଳତା ଲାଭ କରିବ। ତଥାପି, ତୁମେ ଲୋକମାନଙ୍କ ସହିତ ବ୍ୟବହାର କରିବା ସମୟରେ ଓ ଯନବାହନ ଚଳାଇବା ସମୟରେ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରିବା ଉଚିତ।

### ବୁଧ ସେମିସେକ୍ସଟାଇଲ ଚନ୍ଦ୍ର

ତୁମେ ଏପରି ଏକ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଶ୍ରେଷ୍ଠତା ଲାଭ କରିଥାଅ ଯେଉଁଠାରେ ତୁମକୁ ନିଜର ମନୋଭାବର ବିନିମୟ କରିପାରିବାରେ ସମ୍ଭାବନା ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇଥାଏ। ତୁମେ ଜଣେ ଦୟାଳୁ ବ୍ୟକ୍ତି ଅଟ। ତୁମର ନିଜ ମନୋଭାବକୁ ଅନ୍ୟ ନିକଟରେ ପ୍ରକାଶ କରିବା ମାଧ୍ୟମରେ ତୁମେ ଅନୁକୂଳ ପ୍ରତିଦାନ ପ୍ରାପ୍ତ ହୋଇଥାଅ।

### ବୁଧ ଟ୍ରାଇନ ରାହୁ

ଶୁକ୍ରଙ୍କର ରାହୁ ଅଥବା କେତୁଙ୍କ ପ୍ରତି ସେକ୍ସଟାଇଲ ଅବା ଟ୍ରାଇନ୍ ଦୃଷ୍ଟି ତୁମର ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱରେ ମାଧୁର୍ଯ୍ୟ ଓ ତୁମ୍ଭକତ୍ୱ ଭରି ଦେଇଥାଏ ଯାହାକି ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ତୁମ ଆଡକୁ ଆକୃଷ୍ଟ କରିଥାଏ।

### ବୁଧ ସେମିଞ୍ଚୋୟାର ଇନ୍ଦ୍ର

ତୁମେ ବିବିଧତା ନିମନ୍ତେ ବଳବତୀ ଇଚ୍ଛା ପ୍ରକାଶ କରିବ, ବିଶେଷରେ ନିଜ କାର୍ଯ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ରରେ। ଶୁକ୍ରଙ୍କର ଯୁରେନସଙ୍କ ଉପରେ ସେମି-ଞ୍ଚୋୟାର ଦୃଷ୍ଟି ଜନିତ କାରଣରୁ, ଏହା ତୁମକୁ ତିକ୍ଷଣ ବୁଦ୍ଧି ସମ୍ପନ୍ନ ମନ ପ୍ରଦାନ କରିବ ଯାହାକି ସବୁବେଳେ କଳ୍ପନାରେ ଉଦ୍‌ବୁଦ୍ଧ ରହିବ। ସଂକ୍ଷେପରେ, ତୁମେ ଏକ ଅସାଧାରଣ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାବେ ପରିଚିତ ହେବ, ଯଦିଓ ସାମାନ୍ୟ ସ୍ଥିରତା ତୁମକୁ ଗୌରବ ପ୍ରାପ୍ତିର ଶିଖରରେ ପହଞ୍ଚାଇ ଦେଇ ପାରେ।

### ଶୁକ୍ର ସେମିଞ୍ଚୋୟାର ମଙ୍ଗଳ

ବୁଦ୍ଧି ଓ ମଙ୍ଗଳଙ୍କର ପରସ୍ପର ପ୍ରତି ଞ୍ଚୋୟାର ଦୃଷ୍ଟି ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିକୁ ବାହ୍ୟଦର୍ଶୀ କରିଥାଏ ଯିଏକି ସହଜରେ ବଂଶୁତ୍ତ



ସ୍ଥାପନ କରି ପାରିଥାଏ ତଥାପି, କେତେକ ବ୍ୟକ୍ତି ବିଶେଷଙ୍କ ସ୍ନେହରେ ଦୈନିକ ଉପଭୋଗର ବାସନାରେ ଜଡ଼ିତ ହେବାର ଦେଖାଯାଇଥାଏ।

### ଗୁରୁ ସେମିନ୍ୟୋୟାର ଚନ୍ଦ୍ର

ବୃହସ୍ପତି ଓ ଚନ୍ଦ୍ରଙ୍କର ପରସ୍ପର ପ୍ରତି ସେମି-ସ୍ୟୋୟାର ଦୃଷ୍ଟି ତୁମକୁ ଜଣେ ଦୃଢ଼ନିଷ୍ଠ ଓ ଦୃଢ଼ପ୍ରତିଜ୍ଞ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାବେ ପରିଗଣିତ କରିବେ ତୁମେ ଜଣେ ସାମାଜିକ ବ୍ୟକ୍ତିଭାବେ ପରିଚିତ ହେବା ସହିତ ଉଦାରଶୀଳ ମଧ୍ୟ ହେବେ ତୁମର ସଦୟ ମନୋଭାବ ତୁମକୁ ଅନେକ ସାହାଯ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିପାରିବେ।

### ଗୁରୁ ସେମିନ୍ୟୋୟାର ରାହୁ

ତୁମେ ଜଣେ ଭାବପ୍ରଣୋଦିତ ବ୍ୟକ୍ତି ଅଟ। ଅଧିକାଂଶ ସମୟରେ, ସୁଯୋଗ ଓ ସୌଭାଗ୍ୟ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବାର ତୁମେ ଅନୁଭବ କରିବେ ତୁମେ ନୂତନ ଧାରଣାର ବଶବର୍ତ୍ତୀ ହେବା ସହିତ ଏହାର ବାସ୍ତବ ରୂପ ଦେବାରେ ଚେଷ୍ଟା କରିବେ ତୁମେ ନିଜର ଉନ୍ନତି କଳ୍ପେ ଅଗ୍ରସର ହେବା ସହିତ ଦର୍ଶନ ମାଧ୍ୟମରେ ଶିକ୍ଷା ଲାଭ କରିବେ, ବିଶେଷରେ ପିଲାମାନଙ୍କ ଠାରୁ।

### ଗୁରୁ ଟ୍ରାଇନ ଇନ୍ଦ୍ର

ନୂତନ ଭାବଧାରାକୁ ଗ୍ରହଣ କରିବାରେ ତୁମେ ଯଥେଷ୍ଟ ଉଦାରମନା ଅଟ। ତୁମେ ଅପ୍ରତ୍ୟାଶିତ ଯାତ୍ରା କରିଆରେ ନୂତନ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଓ ଅନୁଭୂତିସମୂହ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବେ ତୁମେ ସକ୍ରିୟ ଭାବେ ଧାର୍ମିକ କାର୍ଯ୍ୟ କଳାପରେ ଜଡ଼ିତ ହେବେ ତୁମେ ଅପ୍ରତ୍ୟାଶିତ କ୍ଷେତ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଆର୍ଥିକ ଲାଭ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବେ।

### ଶନି ସେମିନ୍ୟୋୟାର ରୁଦ୍ର

ଶନିଙ୍କର ପୁରୋକ୍ତ ପ୍ରତି ସେମି-ସ୍ୟୋୟାର ଦୃଷ୍ଟି ତୁମର ଆର୍ଥିକ ଅବସ୍ଥାକୁ ଅତି ଦୁର୍ବଳ କରିଦେବ, ଅତଏବ୍ ତୁମେ ନିଜ ଖର୍ଚ୍ଚରେ କାଟ୍ କରିବା ଉଚିତ। ସମୟ ସମୟରେ ତୁମର ଉଚ୍ଚାଶା ଅସମ୍ଭବ ମନେହେବ, ତେଣୁ ତୁମେ ବାସ୍ତବିକତା ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦେବା ସହିତ ସମ୍ଭବିତ ଆଶା ପ୍ରକଟ କରିବା ଉଚିତ।

### ଚନ୍ଦ୍ର ସ୍ୟୋୟାର ରାହୁ

ତୁମେ ମାନଶିକ ଆବେଗର ବସଗବର୍ତ୍ତୀ ହୋଇ ବିଚଳିତ ହେବାରେ ଉନ୍ମୁଖ ହେବ ଯାହାକି ତୁମସ୍ବାସ୍ଥ୍ୟ ଉପରେ ପ୍ରଭାବ ପକାଇ ପାରେ ତୁମେ ନିଜର ଅବରୁଦ୍ଧ ମନୋଭାବ ନିବୃତ୍ତ କରିବା ଜରିଆରେ ଏହି ସମସ୍ୟାକୁ ଅତିକ୍ରମ କରିପାରେ।

### କେତୁ ସେମିନ୍ୟୋୟାର ବରୁଣ

ତୁମେ କଳା ଓ ସଂଗୀତରେ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଆଗ୍ରହୀ ହେବେ ନେପଚ୍ୟୁନଙ୍କ ରାହୁ ଓ କେତୁଙ୍କ ପ୍ରତି ସେମି-ସ୍ୟୋୟାର ଓ ଟ୍ରାଇନ ଦୃଷ୍ଟିଜନିତ କାରଣ ସ୍ୱରୂପ ତୁମେ ଜଣେ ଦାୟିତ୍ୱବାନ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାବେ ପରିଗଣିତ ହେବେ ଅଧିକାଂଶ ସମୟରେ ତୁମେ ମନୋବିଜ୍ଞାନ ଓ ଅଧିବିଜ୍ଞାନର ଅଧ୍ୟୟନରେ ଆଗ୍ରହ ପ୍ରକାଶ କରିବେ ତୁମେ ଦୃଢ଼ ମନୋବଳ ଓ ଯଥେଷ୍ଟ ଯୌର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବେ।







## ଭବିଷ୍ୟବାଣୀ

### ବିଶେଷ ଗୁଣ

ତୁମେ ତୀକ୍ଷ୍ଣ ବିଚାରଶକ୍ତି ବିଶିଷ୍ଟ, ଦୟାଳୁ ସ୍ୱଭାବ ଯୁକ୍ତ ଓ ଉଦାର ଭାବାପନ୍ନ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାବେ ଅଭିହିତ ହେବ। ତୁମେ ବହୁମୂଲ୍ୟ ନିଜସ୍ୱ ସମ୍ପାଦନର ଅଧିକାରୀ ଅଟ ଓ ଦୃଢ଼ ଆତ୍ମପ୍ରତ୍ୟୟ ଲାଭ କରିଅଛ ଓ ତୁମେ କେବଳ ନିଜର କୃତିତ୍ୱ ବଳରେ ଜୀବନରେ ଉନ୍ନତି ଲାଭ କରିବ। ତୁମେ ଉତ୍ତମ ଭାଷଣକର୍ତ୍ତା ଭାବେ ଦକ୍ଷତା ପ୍ରାପ୍ତ ହେବା ସହିତ ବିଚାରାଳୟ ସମ୍ବନ୍ଧୀତ ଓ ଆଇନ ସମ୍ବନ୍ଧିତ ବିଷୟରେ ଅନୁଧ୍ୟାବିତ ହେବାରେ ରୁଚି ରଖିବ। ସାହିତ୍ୟ ଓ ସାମ୍ବାଦିକତା ପ୍ରତି ତୁମେ ବିଶେଷ ଭାବେ ଆକୃଷ୍ଟ ହେବ।

ତୁମେ କିଛି ପରିମାଣରେ ଯୁକ୍ତିସମ୍ପନ୍ନ ହେବ, ଯାହାକି ବିବାଦ ଉପୁଜାଇବାର କାରଣ ହେବ। ତୁମେ ଆଲୋଚନା କରିବାରେ ପ୍ରବଣ ହେବା ସହିତ ଯାତ୍ରା ପ୍ରତି ଅନୁରାଗୀ ହେବ। ତୁମେ ପ୍ରଭୁତ୍ୱ ସୁବିଧା ସୁଯୋଗ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ବିଭିନ୍ନ ବିଷୟରେ ଆଗ୍ରହୀ ହେବ। ତୁମ ଜୀବନର ଆରମ୍ଭକାଳୀନ ସମୟରେ ତୁମର ଆଗ୍ରହ ପଥଭ୍ରଷ୍ଟ ହୋଇପାର ଓ ତତ୍ ସହିତ ତୁମର ପ୍ରତିଭା ଅନଭିଜ୍ଞ ଭାବେ ପରିଚାଳିତ ହୋଇପାରେ। ଅବିବେକିତା ମାଧ୍ୟମରେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ଭୁଲ୍ ବୁଝାମଣା ସ୍ୱରୂପ ତୁମେ ଜଣେ କଳହପ୍ରିୟ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାବେ ଅଭିହିତ ହୋଇପାର। ତୁମେ ନିଜର ବିବାହ ସମ୍ବନ୍ଧିତ ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କର ଅନୁଗୃହିତ ହେବ ଓ ତତ୍ ସହିତ କ୍ଷୁଦ୍ର ଅଥବା ପୀଡ଼ିତ ହେବାରେ ପ୍ରବଣ ହେବ।

ତୁମେ ବିଚକ୍ଷଣ ବିଚାରଶକ୍ତି ସମ୍ପନ୍ନ ହେବ ଓ ସୁଖ୍ୟାତି ଜରିଆରେ ସମ୍ପାଦିତ ହେବ। ତୁମେ ସାହିତ୍ୟ ଓ ବିଜ୍ଞାନର ଅଧ୍ୟୟନରେ ସଫଳତା ଲାଭ କରିବ। ମଣିଷ ଚରିତ୍ରର ଜଣେ ମନଯୋଗୀ ଦ୍ରଷ୍ଟା ହୋଇଥିବା କାରଣରୁ, ତୁମେ ଅବଶେଷରେ ସାହିତ୍ୟିକତାର ଅନୋଧାବନରେ ସଫଳତା ପ୍ରାପ୍ତ ହେବ। ତୁମେ ବିଚଳିତ ରହିବା ସତ୍ତ୍ୱେ, ତୁମେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବିଷୟର ଚିକିତ୍ସା ଅନୁଧ୍ୟାନ କରିବାରେ ଯତ୍ନଶୀଳ ହେବ। ତୁମେ ଚିତ୍ରକଳାର ଅନୁସରଣରେ ମଧ୍ୟ ସଫଳତା ଲାଭ କରିପାର।

### ମାନଶିକ ଗୁଣ

ତୁମେ ଉତ୍ତମ ଶିକ୍ଷା ପାଇବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ଜ୍ଞାନୀ ସାବ୍ୟସ୍ତ ହେବ। ତୁମେ ବହୁକାର୍ଯ୍ୟରେ ନିପୁଣତା ଲାଭ କରିବା ସହିତ ହସ୍ତଶିଳ୍ପରେ କୁଶଳୀ ଭାବେ ପରିଚିତ ହେବ। ତୁମେ ସୁରୁଚିପୂର୍ଣ୍ଣ ଓ ଶିଳ୍ପକଳାରେ ନୈପୁଣ୍ୟ, କୌତୁହଳୀ ଓ ଉଦ୍ଭାବନ ପ୍ରିୟ ହେବ। ତୁମେ ଲେଖନୀରେ ପାରଦର୍ଶୀତା ପାଇବା ସହିତ ଅନେକ ଭାଷାରେ ଉତ୍ତମ କର୍ତ୍ତୃତ୍ୱ ପ୍ରାପ୍ତ ହୋଇପାରିବ। ତୁମେ ହୃଦୟଙ୍ଗୁଣୀ ହେବା ସହିତ ଦୟାଳୁ ଓ ସହାନୁଭୂତିଶୀଳ ମଧ୍ୟ ହେବ।

### ଶାରୀରିକ ଆକର୍ଷଣ

ତୁମର ଜନ୍ମ ପ୍ରତିକା ଅନୁଯାଇ, ତୁମେ ଜଣେ ଡେଙ୍ଗା, ପତଳା ଓ ଶୋଭାସମ୍ପନ୍ନ ବ୍ୟକ୍ତି ହେବା ସହିତ ଦୀର୍ଘ ଅଙ୍ଗୁଳି, ସିଧା ନାଶିକା, ପ୍ରଶସ୍ତ କପାଳ ଓ ସୁନ୍ଦର ପ୍ରକାଶକ ଚକ୍ଷୁ ଲାଭ କରିବ। ତୁମେ ସବୁ ଅବସ୍ଥାରେ ବ୍ୟସ୍ତ ରହିବା ପଳ ସ୍ୱରୂପ କିଛି ପରିମାଣରେ ଅସ୍ଥିରତା ଅନୁଭବ କରିବ। ତୁମେ ବାକ୍ସପ୍ରତୀ ଲାଭ କରିବା ସହିତ କର୍ମ ତତ୍ପର ହେବ ଓ ଅନେକ ସ୍ଥାନକୁ



ଯାତ୍ରା କରିବେ.

## ସ୍ବାସ୍ଥ୍ୟ

ତୁମ ନିଜ ରାଶି ତୁମର ସ୍ବାସ୍ଥ୍ୟ, ବାହୁସ୍ବାସ୍ଥ୍ୟ, ଦୁଇଟି ହାତ, ଶ୍ବାସନଳୀ, ଅଙ୍ଗୁଳି, ସ୍ବାୟଂ ଦୁର୍ବଳତା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ପ୍ରଣାଳି ଇତ୍ୟାଦି ଉପରେ କର୍ତ୍ତୃକରିଥାଏ. ତୁମର ଅନ୍ତର୍ନିହିତ ସମସ୍ୟା ଶ୍ବାସରୋଗ, ହୃଦୟରେ ଅସାମାନ୍ୟତା, ଥଣ୍ଡା, ଫୁଲ୍, ସ୍ବାସନଳି ଇତ୍ୟାଦି ରୋଗ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ହୋଇପାରେ. ତୁମର ସ୍ବାସ/ବାହୁ/ ହାତ/ଅଙ୍ଗୁଳି, କ୍ଳାମନାଳୀ, ଶ୍ବାସନାଳୀ, ଉପର ପଞ୍ଜରା(ହାତ), କଣ୍ଠଗ୍ରନ୍ଥ ଇତ୍ୟାଦି ତୁମର ଚିନ୍ତା କାରଣ ହୋଇପାରନ୍ତି ଓ ଏହି କାରଣରୁ ତୁମ ଜୀବନର କୌଣସି ସମୟରେ ଏହାର ତାତ୍କାଳୀ ଚିକିତ୍ସା କରାଇନେବା ଆବଶ୍ୟକ ଅଟେ.

ଯଦି ତୁମେ ପ୍ରଶାସନିକ ବୃତ୍ତିରେ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇ, ତେବେ ଏହାର ଅତ୍ୟଧିକ ପ୍ରଭାବ, ତୁମକୁ ରକ୍ତଚାପ ଜନିତ ରୋଗରେ ଜଡ଼ିତ କରାଏ. ଯେଉଁ ବୃତ୍ତିରେ ଅତ୍ୟଧିକ ଯାତ୍ରାର ପ୍ରବନ୍ଧ ଥାଏ, ସେଥିରେ ଅନାବୃତ୍ତ ଓ ଅନିୟମିତ ଖାଦ୍ୟପେୟ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ସମସ୍ୟା ଦେଖାଦେଇ ପାରେ.

ତୁମେ ଯାହାକି ଆବଶ୍ୟକ କର ତାହାହେଲା, ଉପଯୁକ୍ତ ବିଶ୍ରାମ ଓ ଶାନ୍ତିନିଦ୍ରା, ନିୟମିତ ଗୃହରକ୍ଷନ ଖାଦ୍ୟ ଓ ଏଥି ସହିତ କୋହଳ ମନୋଭାବ. ଯୋଗାଭ୍ୟାସ ତୁମପାଇଁ ଚମତ୍କାରିତା ଆଣିଦେବ. ତୁମେ ଅଧିକତର ଭାବେ ମୂଳା, ପୁଲକୋବି, ରସୋଣ ଓ ତାଳିମ୍ବ/ବେଦାନା ସେବନ କରିବା ଉଚିତ. ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଅବସ୍ଥିତ ଲଗ୍ନ ପୁରୋକ୍ତ କୁଦୁଷ୍ଟରେ ପ୍ରଭାବିତ ହେଉଥିବା କାରଣରୁ, ପାରିପାର୍ଶ୍ବିକ ଅବସ୍ଥାର ଅନାବୃତ୍ତ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ରୋଗ ଯଥା: ଧୂମ, ଧୂଆଁ, ଧୂଳି, ଆଲୋକ ଅବା ଉତ୍ତାପର ବିଚ୍ଛୁରଣ ଇତ୍ୟାଦିର କାରଣରୁ ତୁମେ ପୀଡ଼ା ଅନୁଭବ କରିପାର.

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ରାହୁକର ଚନ୍ଦ୍ରମ୍ବ ପ୍ରତି କୁଦୁଷ୍ଟ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ କାରଣରୁ, ତୁମେ ଥଣ୍ଡା-ଶର୍ଦ୍ଦି ଓ କୋଷ୍ଠବନ୍ଧନ ଜନିତ ରୋଗରେ ପ୍ରପୀଡ଼ିତ ହୋଇପାର.

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ କେତୁକର ଚନ୍ଦ୍ରମ୍ବ ପ୍ରତି ମନ୍ଦ ଦୁଷ୍ଟି ଜନିତ କାରଣରୁ, ତୁମେ ଫାଟ ରୋଗରେ ପୀଡ଼ିତ ହେବା ସହିତ ପୁଲ୍ଲା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ରୋଗରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଅଛି.

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ମଙ୍ଗଳକର ସୂର୍ଯ୍ୟକ୍ ପ୍ରତି କୁଦୁଷ୍ଟ ଜନିତ କାରଣରୁ, ତୁମେ କ୍ଷୁର ଓ ପ୍ରଦାହ ସଂକ୍ରାନ୍ତ ରୋଗରେ ପୀଡ଼ିତ ହୋଇପାର. ବିଦୀର୍ଣ୍ଣ ହେବା ଅଥବା ରକ୍ତ ହୀନତା ଜନିତ ରୋଗରେ ପୀଡ଼ା ଅନୁଭବ କରିପାର. ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଉତ୍ତମ ମଙ୍ଗଳ ଓ ଶନିକର କୁଦୁଷ୍ଟ ମଙ୍ଗଳ ରାଶି ଉପରେ ପଡ଼ୁଥିବା କାରଣରୁ, ତୁମର ଆଖି ଓ ଚର୍ଚ୍ଚ ସମ୍ବନ୍ଧିତ କ୍ଷେତ୍ରର ପ୍ରଭାବିତ ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ଅଧିକ.

## ଶିକ୍ଷା ଓ ଜୀବିକା

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ନକ୍ଷତ୍ରମାନକ ମେଳ ଜନିତ କାରଣ ତୁମକୁ ତୀକ୍ଷଣ ବୁଦ୍ଧି ଓ ଅତି ଉଚ୍ଚ ଶିକ୍ଷାଗତ ଯୋଗ୍ୟତା ମାଧ୍ୟମରେ ଆଶୀର୍ବାଦ ଯୁକ୍ତ କରାଇ ଥାଏ. ଅତି କମ୍ରେ ତୁମେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରୁ ସ୍ନାତକୋତ୍ତର ଉପାଧି ଲାଭ କରିବ. ତୁମେ ବିଭିନ୍ନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଆଗ୍ରହୀ ହେବ ଏବଂ ଅନୌପଚାରିକ ଭାବେ ବିଭିନ୍ନ ବିଷୟରେ ବିସ୍ତୃତ ଅଧ୍ୟୟନ କରିବ. ତୁମେ



ଯତ୍ନପୂର୍ବକ ନିଜର କିଛି ଖିଆଲି ବିଷୟର ଅଧ୍ୟୟନରେ ମଧ୍ୟ ନିଜକୁ ପ୍ରବୃତ୍ତ କରିପାର, ଯାହା ତୁମକୁ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଆଣିଦେବ।

ତୁମେ ସାମାଜିକ କ୍ଷେତ୍ରରେ ମଧ୍ୟ ନିଜର ପାରଦର୍ଶିତା ପାଇଁ ସମ୍ମାନିତ ହେବ ଏବଂ ଲୋକମାନେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଷୟରେ ତୁମର ପରାମର୍ଶ ଲୋଡ଼ିବେ।

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଅବସ୍ଥିତ କେତେକ ନକ୍ଷତ୍ରମାନଙ୍କ ସମ୍ବଳନ, ଶୁଭସୂଚକ 'ବିଦ୍ୟା ଯୋଗ' ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ ଏହା ତୁମକୁ ଉଚ୍ଚ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରାପ୍ତ କରାଇବ ଏବଂ ଶିକ୍ଷା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଅନୁଧ୍ୟାୟନରେ ସଫଳତା ପ୍ରଦାନ କରିବ। ତୁମେ ସାରା ଜୀବନ କେତେକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଷୟରେ ପ୍ରଗତିପଥର ସହିତ ଅଧ୍ୟୟନ କରିବ ଯାହା ପାଇଁ ଲୋକମାନେ ତୁମକୁ ଗଭୀର ଭାବେ ସମ୍ମାନ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିବେ।

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଶୁକ୍ର 'ଅଞ୍ଜକ ବର୍ଗ' ମାଧ୍ୟମରେ ବିଶେଷ ଶକ୍ତିପୁରୁଷ ହୋଇଥାଏ ଏହା ତୁମକୁ ଅତ୍ୟୁତ୍ତମ ଶିକ୍ଷାଗତ ପାରଦର୍ଶିତା ପ୍ରଦାନ କରିବା ସହିତ ତୁମର ମନୋନୀତ ବିଭିନ୍ନ ବିଷୟରେ ଆପେକ୍ଷିକ ପରିମାଣର ନିପୁଣତା ଲାଭ କରାଇବ।

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ନକ୍ଷତ୍ରମାନଙ୍କ ସମ୍ବଳନ, ତୁମକୁ ଜଣେ ଜନ୍ମଗତ ବ୍ୟବସାୟିକ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାବେ ଅଭିହିତ କରାଏ। ତୁମେ ଚଞ୍ଚଳତାର ସହିତ ବିଭିନ୍ନ ବ୍ୟବସାୟ ଓ ବାଣିଜ୍ୟର ଦିଗ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଶିକ୍ଷା ଲାଭ କରିବ। ବାଣିଜ୍ୟିକ ଏବଂ/ଅଥବା ନିର୍ମାଣ କରିବା ଜରିଆରେ ତୁମେ ନିୟତି ସମ୍ପନ୍ନ ଲାଭ କରିବ। ସାଧାରଣ ଭାବେ, ବ୍ୟବସାୟରେ ତୁମେ କିଛି ଶିଥିଳ ଅବସ୍ଥା ମଧ୍ୟ ଦେଇ ଗତି କରିପାର, ଯେଉଁ ସମୟରେ କି ତୁମେ ନିଜ ଉପରେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ଯଦ୍ୟପି ଅଧିକାଂଶ ସମୟରେ ତୁମେ ବ୍ୟବସାୟରେ ଉତ୍ତମ ଲାଭ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବ।

### ସମ୍ପତ୍ତି ଓ ଉତ୍ତରାଧିକାରୀ

ପରିବାର-ଧନସମ୍ପଦ ଦୃଷ୍ଟିରୁ, ଧନ ଦେବତାଙ୍କ ପାଇଁ ଏହା ଅତ୍ୟନ୍ତ ଆକାଂକ୍ଷିତ ଅବସ୍ଥା ଭାବେ ପରିଗଣିତ ହେବ ନାହିଁ। କିନ୍ତୁ, ତୁମେ ବନ୍ଧୁ ଓ ସମାଜିକ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ ମାଧ୍ୟମରେ ସୁବିଧା ଓ ସୁଖ-ସମୋଗ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବ। ତୁମେ ସ୍ତ୍ରୀ ଲୋକମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଅନୁଗୃହିତ ହେବା ସହିତ ଏକ ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ବୈବାହିକ ଜୀବନ ଓ ଜୀବନର ଶେଷ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସୁଖମୟ ସମ୍ପର୍କ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବ। ପାରିବାରିକ ପରିସ୍ଥିତି ଦୃଷ୍ଟିକୋଣରୁ, ସାଧାରଣତଃ ଏହା ଧୀର ଓ ଶାନ୍ତିପୂର୍ଣ୍ଣ ରହିବ ଯଦିଓ ସମୟ ସମୟରେ ପରିବାରର ସଦସ୍ୟମାନଙ୍କ ଅସହ୍ୟ ଭାବ ପ୍ରଦର୍ଶନ ଜନିତ କାରଣରୁ ପରିବାର ମଧ୍ୟରେ ଝଡ଼ର ସୃଷ୍ଟି ହୋଇପାରେ ଓ ତତ୍ ସହିତ ପରିବାରର ଶାନ୍ତି ଭଙ୍ଗ ହୋଇପାରେ। ତୁମେ ଧୈର୍ଯ୍ୟ ଓ ପ୍ରୟାସର ପ୍ରତିକ ହୋଇଥିବା କାରଣରୁ, କୁଶଳ ଓ ସୁରକ୍ଷିତ ରହିବା ସହିତ ପରିବାରର ସମସ୍ତ ଶାନ୍ତି ଫେରାଇ ଆଣିବାରେ ସମ୍ପର୍କୀୟ ହୋଇପାରିବ।

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଧନସ୍ୱାମୀଙ୍କ ୧୦ମ ଗୃହ ପ୍ରତି ଅନୁକୂଳ ଭାବ ଏକ ଭାଗ୍ୟପ୍ରଦ ସ୍ଥିତି ଭାବେ ଅଭିହିତ ହେବା ସହିତ ଅସଂଖ୍ୟ ବାଞ୍ଛନୀୟ ଗୁଣ ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ। ତୁମେ ନିଜର ଦୃଢ଼ ନିଷ୍ଠିତତା ଓ ମାନଶିକ ଲକ୍ଷ୍ୟାଗତ୍ତି ଜନିତ କାରଣରୁ ପ୍ରସିଦ୍ଧି ଲାଭ କରିବ। କିନ୍ତୁ ତୁମେ ନିଜର ସମ୍ପତ୍ତି ଓ ସୀମା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଜ୍ଞାତ ହେବା ଆବଶ୍ୟକ ଏବଂ ତୁମର ସମ୍ପତ୍ତି ଅନୁଯାୟୀ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ଉଚିତ; ଅନ୍ୟଥା, ନିଜର ଏପରି ପ୍ରବେଶରେ ତୁମେ ତୀକ୍ଷଣ ଅଧୋଗତିର ସମ୍ମୁଖୀନ



ହୋଇପାରେ ତୁମେ ଉକ୍ତ ପଦ/ପଦବୀରେ ଅବସ୍ଥାପିତ ହେବା ସହିତ ସିଦ୍ଧାନ୍ତ/ନିଷ୍ପତ୍ତି ମଧ୍ୟ ଗ୍ରହଣ କରିବ; ତୁମେ ଜୀବନରେ ବିଶେଷ ଉନ୍ନତିର ପଥରେ ଅଗ୍ରସର ହେବ.

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଉତ୍ତରାଧିକାର ସ୍ଥାନୀକ ୧୦ମ ଗୃହରେ ଅବସ୍ଥିତି ଏକ ଭାଗ୍ୟପ୍ରଦ ଅବସ୍ଥା ଭାବେ ଅଭିହିତ ନୁହେଁ, କାରଣ ଅଧୋଗତି ଓ ଅପସନ୍ନ ମାଧ୍ୟମରେ ଏହା ତୁମର ବାଧାର କାରଣ ହୋଇପାରେ. ଏହି ଅବସ୍ଥା ସରକାରୀ ସ୍ତରରେ ଏକ ଉତ୍ତମ ପଦ ପ୍ରାପ୍ତ କରାଇବା କରିଆରେ ଅଥବା ସୁରକ୍ଷା ବିଭାଗର ସଂସ୍ଥାପନ କରିଆରେ ତୁମକୁ ସୁବିଧା ସୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିପାରେ; ତୁମର ବ୍ୟବସାୟିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ତୁମେ ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଉତ୍ତମ ସମ୍ପର୍କ ବଜାୟ ରଖିବାକୁ ପଡିବ. ତୁମେ ବିରାଟ ଐଶ୍ବର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରାପ୍ତ ହେବ କିନ୍ତୁ ତୁମକୁ ଅଧିକ ଉଧାନ ଓ ପତନ ମଧ୍ୟରେ ଗତି କରିବାକୁ ପଡିବ.

### ବିବାହ ଓ ବୈବାହିକ ଜୀବନ.

ତୁମର କୁଣ୍ଡଳୀ ସୁଚିତ କରାଏ ଯେ, ତୁମେ ଉପଯୁକ୍ତ ବୟସରେ ବିବାହିତ ହେବ. ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ତୁମର ଲଗ୍ନସ୍ଥାନୀ ଓ ୭ମ ଗୃହସ୍ଥାନୀ ପରସ୍ପର ପ୍ରତି କ୍ରିନ୍ଦାକ୍ଷର ଦୃଷ୍ଟି ନିଷେପ କରୁଛନ୍ତି. ଏହା ଏକ ଅନୁକୂଳ ଓ ସ୍ଥାୟୀ ସମ୍ପର୍କର ସୂଚନା ଦିଏ. ଉଭୟ ଅଂଶୀଦାର ପରସ୍ପର ପ୍ରତି ଆଗ୍ରହୀ ଓ ମନଯୋଗୀ ହେବେ. ପରସ୍ପର ପରସ୍ପର ପ୍ରତି ପ୍ରେମଭାବ ପ୍ରକଟନ ତୁମ ଦୁହେଁକୁ ଆନନ୍ଦିତ ରଖିବା ସହିତ ତେଜସ୍ବୀ ମଧ୍ୟ କରାଇବ. ତୁମ ପାରିବାରିକ ଜୀବନ ସୁଖମୟ ହେବ.

### ଯାତ୍ରା ଓ ଭ୍ରମଣ

ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଅଧିକାଂଶ ନକ୍ଷତ୍ର ତୁମ ରାଶିର ଭ୍ରାମ୍ୟମାନ ଏବଂ/ଅଥବା ସାଧାରଣ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଅବସ୍ଥିତ ଅଟେ. ଏହି ଅବସ୍ଥିତି ତୁମକୁ ଜନ୍ମରୁ ଜଣେ ପର୍ଯ୍ୟଟକ ଭାବେ ପରିଗଣିତ କରିବା ସହିତ ଜୀବନରେ ଅନେକ ପରିବର୍ତ୍ତନର ସମ୍ମୁଖୀନ କରାଇବ. ତୁମ ବୃତ୍ତି ସମ୍ବନ୍ଧୀତ ବ୍ୟାପାରରେ ତୁମେ ଅନେକ ଯାତ୍ରା ମଧ୍ୟଦେଇ ଗତି କରିବ; ତୁମେ ଆମୋଦ ଓ ଲାଭ ଅର୍ଜନ କରିବା ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ଯାତ୍ରାରେ ପ୍ରବୃତ୍ତ ହେବ. ତୁମ କୁଣ୍ଡଳୀରେ ଅଧିକାଂଶ ନକ୍ଷତ୍ର ତୀର୍ଥୀକ୍ ଭାବେ ଓ ତୁମ ରାଶିର ଭ୍ରାମ୍ୟମାଣ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଅବସ୍ଥିତ ଅଟନ୍ତି. ବିଶେଷରେ ତୁମ ନିଜ ବୃତ୍ତି ସମ୍ପର୍କିତ ବ୍ୟାପାରରେ ତୁମେ ଅଧିକତର ଭାବେ ଯାତ୍ରାରେ ପ୍ରବୃତ୍ତ ହେବ. ତୁମ ନିଜର ମନୋନୀତ ସ୍ଥାନକୁ ମଧ୍ୟ ତୁମେ ଆମୋଦ ପାଇଁ ଯାତ୍ରା କରିବ.

### ଶୁଭ ରତ୍ନ

ଶୁଭଜନକ ମୁକ୍ତା ପଥରମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ସବୁଜମଣି(ପୋନ୍ନା) ତୁମପାଇଁ ସୁବିଧା ଜନକ ଅଟେ. ତୁମେ ୪ ରୁ ୫ ରତି ସବୁଜମଣି ଗୋଟିଏ ସୁନା ମୁଦିରେ ଲଗାଇ ବୁଧବାର ଦିନ ନିଜର ତାହାଣ ହାତ କାଣି ଆଙ୍ଗୁଳିରେ ପିନ୍ଧିବା ଉଚିତ.

ସବୁଜମଣିର ଶସ୍ତା ବଦଳ ହେଲା ନୀଳ ବର୍ଣ୍ଣର ପ୍ରସ୍ତର ଅଥବା ଲକ୍ଷତ୍ ପୀତ ଅଥବା ସବୁଜ ରଙ୍ଗର ମଣି ବିଶେଷ ଯାହାକି ଗୋଟିଏ ରୂପା ମୁଦିରେ ଲଗାଇ ପିନ୍ଧା ଯାଇ ପାରେ.

ଉକ୍ତ ମୁକ୍ତା ପଥର ପିନ୍ଧିବା ସମୟରେ ନିମ୍ନୋକ୍ତ 'ମନ୍ତ୍ର' ଉଚ୍ଚାରଣ କରିବା ଶୁଭଦାୟକ ହେବ - 'ପ୍ରିୟମ୍‌ଗୁକାଲିକାଶ୍ୟମମ୍ ରୂପେନପ୍ରତିମାମ୍ ବୁଦ୍ଧମ୍ ସୌମ୍ୟମ୍ ସୌମ୍ୟଗୁନପେତମ୍ ତମ୍'

ଉପର ମତେ ସୁପାରିଶ କରାଯାଇ ଥିବା ମୁକ୍ତା ପଥରର ଓଜନ କେବଳ ପୂର୍ଣ୍ଣବୟସ୍କ ପୁରୁଷମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ.



ବୟସ୍କ ମହିଳାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଓଜନରେ ୩/୪ ଅବା ୧/୨ ଅଂଶ କମେଇ ଦିଆଯିବା ଆବଶ୍ୟକ ଏବଂ ପିଲାମାନଙ୍କ  
ନିମନ୍ତେ ଏହି ଓଜନରେ ୧/୨ ଅବା ୧/୩ ଅଂଶ କାଟି ଦିଆଯିବା ଦରକାର.